दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

लाइलाज नहीं रहा लंग कैंसर....

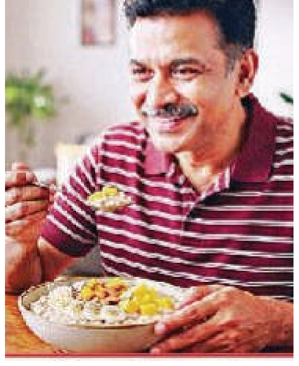

रेनी सीजन के लिए कैसा हो डाइट प्लान

वर्ष : 12 | अंक : 217 | लखनऊ, 31 जुलाई, शुक्रवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला, 8 की मौत

कीव। रूस ने गुरुवार तड़के यूक्रेन पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से बड़ा हमला किया, जिसमें कम से कम 8 नागरिकों, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। यह हमला यूक्रेन के कई इलाकों में हुआ, जिनमें पोलैंड सीमा के पास के क्षेत्र भी शामिल हैं। हमले के बाद पोलैंड ने जांच शुरू की कि क्या रूस की एक क्रूज मिसाइल उसके हवाई क्षेत्र में दाखिल हुई थी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने कम से कम 10 क्षेत्रों पर हमला किया, जिससे दर्जनों घर, कारोबारी प्रतिष्ठान और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा।

ऑस्ट्रेलिया ने भी दिखाई टेलीग्राम पर सख्ती

मेलबोर्न। ऑस्ट्रेलिया ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े वीडियो और पोस्ट को न हटाने के मामले को लेकर कानूनी मोर्चा खोल दिया है। ऑस्ट्रेलिया के इंटरनेट रेगुलेटर (ई-कमिश्नर) ने टेलीग्राम पर आरोप लगाया है कि वह अपने प्लेटफॉर्म से 'आतंकवाद का समर्थन' करने वाले पोस्ट और वीडियो हटाने में पूरी तरह से नाकाम रहा है। रेगुलेटर के मुताबिक, इस लापरवाही के लिए कंपनी पर 54.6 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 38 मिलियन अमेरिकी डॉलर) तक का भारी-भरकम जुर्माना लगाया जा सकता है।

ऑल्टमैन बोले- एआई को धीमा करना होगा

वॉशिंगटन। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े बढ़ते साइबर जोखिमों और स्वायत्त सिस्टम की क्षमताओं को देखते हुए सैम ऑल्टमैन ने पहली बार स्वीकार किया है कि भविष्य में एआई के विकास की गति को नियंत्रित करना जरूरी हो सकता है, ताकि समाज इस तकनीक के साथ सुरक्षित तरीके से तालमेल बिठा सके। ओपनएआई और एंथ्रोपिक के 1,100 से अधिक कर्मचारियों ने पेसिंग द फ्रंटीयर नाम की एक याचिका का समर्थन किया है।

होर्मुज संकट पर एक्शन मोड में सरकार!

पीएम मोदी ने मंत्रियों संग की समीक्षा बैठक कहा- जनता व किसान को नहीं हो दिक्कत

पीएम नरेंद्र मोदी फाइल फोटो

> पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के किसी भी हिस्से में काम कर रहे हर भारतीय नाविक की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जरूरत पड़ने पर सरकार हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी

ऊर्जा, कृषि, व्यापार, सुरक्षा पर हो नियमित समीक्षा

सरकार वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर बनाए हुए

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ नई दिल्ली,

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े हालात को देखते हुए केंद्र सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। इसी मुद्दे पर पीएम नरेंद्र मोदी ने वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में देश की ऊर्जा सुरक्षा, खाद की उपलब्धता, भारतीय नाविकों की सुरक्षा और निर्यात पर पड़ने वाले असर जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

पीएम ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में आम लोगों और किसानों को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के किसी भी हिस्से में काम कर रहे हर भारतीय नाविक की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह भारतीय जहाज पर तैनात हैं या किसी विदेशी जहाज पर। जरूरत पड़ने पर सरकार हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी।

पीएम की फेसबुक पोस्ट मामला सरकार ने मेटा से मांगा विस्तृत जवाब

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा के वरिष्ठ अधिकारियों को सरकार के सामने पेश होकर पीएम नरेंद्र मोदी की उस पोस्ट के लिए विस्तृत जवाब देने को कहा है, जिस पर कुछ समय के लिए फेसबुक ने अस्थाई रोक लगा दी थी। यह बैठक अगले 7 से 10 दिनों के बीच हो सकती है। इस मामले को लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि सरकार मामले को पूरी तरह से समझने के लिए मेटा से नीतिगत स्तर और तकनीकी स्तर दोनों प्रकार का स्पष्टीकरण लेना चाहती है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी चिंताएं सीधे मेटा तक पहुंचाना चाहता है और उन हालात के बारे में पूरी जानकारी चाहता है जिनकी वजह से यह अस्थायी रोक लगाई गई थी। कृष्णन ने बताया कि मेटा ने इस घटना पर पहले ही खेद जताया है और सरकार को शुरुआती स्पष्टीकरण दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार ने और अधिक विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है, जिसमें यह भी शामिल है कि कंपनी ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए क्या उपाय कर रही है।

निर्यातकों को राहत देने पर चर्चा

होर्मुज संकट का असर भारत के निर्यात कारोबार पर भी पड़ सकता है। इसी को देखते हुए बैठक में निर्यातकों को राहत देने के संभावित उपायों पर चर्चा की गई। साथ ही देश की अर्थव्यवस्था पर इस संकट के प्रभाव का भी आकलन किया गया। सरकार ने संकेत दिए कि जरूरत पड़ने पर समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। सरकार का कहना है कि वह वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर बनाए हुए है। ऊर्जा, कृषि, व्यापार और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े हर पहलू की नियमित समीक्षा की जा रही है, ताकि किसी भी चुनौती का समय रहते प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

आपूर्ति निरंतर बनी हुई

कैबिनेट सचिव ने सीसीएस को मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एलपीजी की खरीद के स्रोतों में पहले ही विविधता लाई जा चुकी है और प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादों का कुल स्टॉक और आपूर्ति की स्थिति पर्याप्त बनी हुई है। कच्चे तेल की पर्याप्त उपलब्धता के कारण केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (सीपीएसई) की रिफाइनरियां 100% से अधिक क्षमता पर काम कर पा रही हैं, जिससे पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन लगातार जारी है।

पीएनजी का उपयोग बढ़ाएं

पीएम ने देश में पीएनजी के इस्तेमाल को और तेजी से बढ़ाने पर जोर दिया, ताकि ऊर्जा आपूर्ति मजबूत बनी रहे और किसी भी संभावित संकट का असर कम किया जा सके। ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए, सौर ऊर्जा और गैर जीवाश्म ईंधन वाले अन्य स्रोतों सहित नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोतों पर जोर दिया जाना चाहिए।

खाद का रिजर्व तैयार करें

बैठक में कृषि क्षेत्र की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। पीएम को बताया कि अगली रबी फसल के लिए पर्याप्त खाद का भंडार उपलब्ध है। साथ ही 2027 की खरीफ फसल के लिए भी खाद का रिजर्व तैयार करने का काम जारी है। सरकार का उद्देश्य है कि किसानों को किसी भी तरह की खाद की कमी का सामना न करना पड़े।

कोयंबटूर बम धमाका मामला

जांच में ईडी ने की 3 राज्यों में 16 स्थानों पर 'छापेमारी'

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को तीन राज्यों में कई स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई वर्ष 2022 में कोयंबटूर में हुए आईएसआईएस से प्रेरित कार बम धमाके के लिए कथित तौर पर जुटाई गई आतंकी फंडिंग से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत की गई।

■ ईडी ने पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया

अधिकारियों के अनुसार, सुबह से ही तमिलनाडु के चेन्नई और कोयंबटूर, तेलंगाना के हैदराबाद तथा महाराष्ट्र के मुंबई में कुल 16 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया।

आरोपी आईएसआईएस की विचारधारा से प्रेरित

ईडी के मुताबिक, आरोपियों को कोवई अरबी कॉलेज के प्रमोटर जमील बाशा ने मार्गदर्शन दिया। यह हमला जेमेशा मुबीन और उसके अन्य साथियों ने आईएसआईएस की विचारधारा से प्रेरित होकर अंजाम दिया था। इसके लिए विस्फोटकों से भरी एक मॉडिफाइड कार का इस्तेमाल किया गया था। आरोपियों ने अपनी कथित आतंकी गतिविधियों के लिए दो तरीकों से धन जुटाया। पहला, कोविड-19 महामारी के दौरान फर्जी वैक्सीन प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने का नेटवर्क चलाकर और दूसरा, कोयंबटूर के कोवई अरबी कॉलेज में कथित तौर पर धोखाधड़ी वाले निवेश (डोनेशन) के माध्यम से।

गैस से लदे दो जहाजों में आग लगी

ईरान ने मिस्र के दमियाता पोर्ट पर किया ड्रोन हमला

वॉशिंगटन डीसी/ तेहरान/ तेल अवीव (एजेंसी) ईरान-अमेरिका के बीच जारी जंग अब मिस्र तक पहुंच गई है। मिस्र सरकार ने गुरुवार को बताया कि बुधवार को दमियाता पोर्ट पर दो गैस टैंकरों में लगी आग हादसा नहीं, बल्कि ड्रोन हमले का नतीजा थी। ड्रोन ने अमेरिकी कंपनी के नैचुरल गैस स्टोरेज टैंकर एनरगोस विंटर को निशाना बनाया, जिसके बाद आग पास में खड़े दूसरे टैंकर गैसलॉग सलेम तक फैल गई। इस हमले के पीछे ईरान का हाथ बताया जा रहा है। हमले का मकसद यह मैसेज देना था कि अगर जंग और बढ़ी तो दुनिया की समुद्री शिपिंग और एनर्जी सप्लाई भी गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को फिर हमले करने की चेतावनी दी है। उधर, कुवैत में चीनी कंपनी पर ईरान के हमला में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

चीन-भारत के बीच बढ़ेंगे संबंध

कल से खुलेगा परंपरागत बार्टर ट्रेड, खच्चरों से होगी माल ढुलाई

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में स्थित शिपकी ला दर्रे से होकर परंपरागत बार्टर-ट्रेड (सामान के बदले सामान) रूट 1 अगस्त से फिर से खुलने वाला है। भारत-चीन सीमा पर 3,930 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह व्यापार मार्ग पिछले 6 वर्षों से बंद पड़ा है। भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास स्थित यह क्षेत्र भारत और तिब्बत के बीच परंपरागत व्यापार मार्ग रहा है। पहले यह मार्ग इस साल 1 जून से ही खुलने वाला था, लेकिन इमिग्रेशन से जुड़ी औपचारिकताओं की वजह से इसमें दो महीने की देरी हो रही है।

शिपकी ला दर्रा

सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

भोजशाला परिसर से सटी जगह पर नमाज पढ़ने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला-कमाल मौला विवाद में अपने पहले दिए गए अंतरिम आदेश को स्पष्ट कर दिया है। कोर्ट ने मुस्लिम समुदाय को शुक्रवार की नमाज के लिए भोजशाला परिसर से सटी दरगाह की जमीन खसरा नंबर 596 पर अनुमति दी है। यह परिसर के पीछे दाहिनी ओर निकलने वाले वैकल्पिक निकास मार्ग के ठीक सामने है। यहां हर शुक्रवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक नमाज अदा की जा सकेगी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस भूखंड तक पहुंचने के लिए अलग रास्ता है और यह विवादित भोजशाला परिसर के बिल्कुल पास है। इसलिए यह नमाज के लिए उपयुक्त स्थान है।

'येलो साइट' नमाज के लिए सूटेबल

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने नक्शे में दिखाई गई 'येलो साइट' पर ध्यान दिलाया। कोर्ट ने कहा कि इस जगह तक अलग और स्वतंत्र रास्ता है। यह विवादित परिसर से सटी हुई है। मुस्लिम पक्ष ने भी इसी जगह पर सहमति जताई। सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा, 'सिर्फ कानून-व्यवस्था की आशंका के आधार पर लोगों के धार्मिक अधिकार नहीं रोके जा सकते।

भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन का कार्यकाल पूरा

कहा- दोनों देशों के बीच सबमरीन समझौते पर बहुत जल्द होगी डील

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन का कार्यकाल पूरा हो गया है। इस बीच राजदूत फिलिप ने कहा कि भारत और जर्मनी के बीच जल्द ही सबमरीन समझौते पर हस्ताक्षर हो सकता है। उन्होंने कहा कि सबमरीन डील को लेकर मैं बहुत आशावान और आश्वस्त हूं कि यह बहुत जल्द, शायद अगले महीने तक, साइन हो जाएगी।

राजदूत फिलिप एकरमैन व विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर

जर्मनी यूरोप में भारत का बड़ा साझेदार

एकरमैन ने कहा कि जर्मनी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जिसका हर साल 50 बिलियन डॉलर से ज्यादा का ट्रेड वॉल्यूम है। यह बिजनेस के लिहाज से भारत के सबसे जरूरी साझेदारों में से एक है।

पीएम मोदी के नेतृत्व को सराहा

राजदूत फिलिप एकरमैन ने कहा कि पीएम हमारे द्विपक्षीय संबंधों में एक बहुत ही मिलनसार, बहुत ही सक्रिय साझेदार रहे हैं। हमने उन्हें ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा है जो इस द्विपक्षीय संबंध में वास्तव में बहुत रुचि रखते हैं, और मैं यह बताना चाहता हूं कि उन्होंने फेडरल चांसलर को निमंत्रित किया है। इससे पहले भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने जर्मनी के राजदूत एकरमैन से मुलाकात की थी।

पीओके के मुद्दे पर अमेरिकी अखबार को भारत की लताड़

दूतावास बोला- पाक कश्मीर जैसा कोई क्षेत्र नहीं, पाक का अवैध कब्जा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

अमेरिका में भारतीय दूतावास ने न्यूयॉर्क टाइम्स की एक खबर के शीर्षक पर कड़ी आपत्ति जताई है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि न्यूयॉर्क टाइम्स की हेडलाइन भ्रामक और तथ्यात्मक रूप से गलत है। दूतावास ने कहा कि 'पाकिस्तानी कश्मीर' जैसी कोई इकाई मौजूद नहीं है, केवल पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) है। दूतावास ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश पहले भी भारत का अभिन्न हिस्सा थे, आज भी हैं और हमेशा रहेंगे।

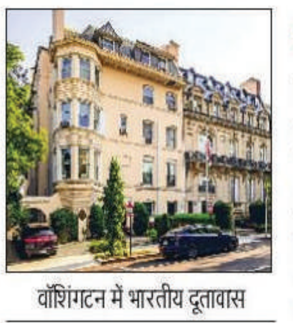

वॉशिंगटन में भारतीय दूतावास

पीओके में विरोध प्रदर्शन पर छापी रिपोर्ट

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों और स्वतंत्र आकलनों के हवाले से बताया गया है कि जून की शुरुआत से लेकर हालिया हिंसा तक प्रदर्शनकारियों, सुरक्षाकर्मियों और आम नागरिकों सहित कम से कम 30 लोगों की मौत हो चुकी है।

लोगों को मूल अधिकारों से वंचित कर रहेः भारत

रिपोर्ट के मुताबिक, जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी नामक संगठन पिछले महीने से तथाकथित क्षेत्रीय विधानसभा की 12 विवादित सीटों को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहा है। संगठन का आरोप है कि इन सीटों का इस्तेमाल अपनी पसंद की सरकार बनाने के लिए किया जाता है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जारी जनआंदोलन पाकिस्तान के आर्थिक शोषण, लोगों के मूल अधिकारों से वंचित किए जाने और प्रशासनिक दमन का सीधा परिणाम है।

4 महासागरों में 314 दिनों की 'समुद्र प्रदक्षिणा' त्रि-सेवा यात्रा पूरी

करीब 25,500 नॉटिकल मील दूरी तय की

भारतीय सेनाओं की 9 महिलाओं को रक्षा मंत्री ने किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज तीनों सेनाओं की उन नौ महिला अधिकारियों को सम्मानित किया, जिन्होंने 'समुद्र प्रदक्षिणा' नाम के पहले 'ट्राई-सर्विस ऑल-वूमेन सर्कमनेविगेशन सेलिंग एक्सपेडिशन' (तीनों सेनाओं की महिलाओं का दुनिया का चक्कर लगाने वाला नौका अभियान) को सफलतापूर्वक पूरा किया। ये अधिकारी भारतीय सेना के सेलिंग वेसल 'त्रिवेणी' पर 314 दिन की यात्रा के बाद लौटीं। नई दिल्ली में अधिकारियों से बातचीत करते हुए राजनाथ सिंह ने चार महासागरों में लगभग 25 हजार 500 नॉटिकल मील की दूरी तय करने के लिए टीम को बधाई दी।

'समुद्र प्रदक्षिणा' अभियान की टीम के साथ राजनाथ सिंह

यह उपलब्धि हर भारतीय के लिए प्रेरणा

राजनाथ सिंह ने इस अभियान को 'नारी शक्ति' और तीनों सेनाओं के आपसी सहयोग का एक शानदार उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि हर भारतीय को प्रेरित करेगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि टीम की सफलता साहस, दृढ़ संकल्प और समर्पण को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि मजबूत विश्वास और लगन से जीवन में कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

रक्षा मंत्री ने बढ़ाया हौसला

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं पूरे देश की ओर से आप सभी का स्वागत करना चाहता हूं। आपने न सिर्फ समुद्र को जीता है, बल्कि उन सभी को भी गलत साबित किया है, जो कहते थे कि हमारी बेटियां ऐसे मुश्किल अभियानों का हिस्सा नहीं बन सकतीं।

बेटियां दुनिया जीत सकती हैं

राजनाथ सिंह ने कहा कि टीम की यह उपलब्धि देश की हर बेटी के लिए प्रेरणा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी सफलता युवा महिलाओं को बड़े सपने देखने, चुनौतियों का सामना करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करेगी। आज, भारत की हर बेटी आपको देख रही है और उसे पूरा भरोसा है कि वह भी समुद्र पार कर सकती है और पूरी दुनिया को जीत सकती है।

एयरपोर्ट पर सवारी को लेकर टैक्सी चालक के साथ मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट परिसर में बीते दिनों सवारी को लेकर हुए विवाद में एक टैक्सी चालक के साथ मारपीट हो गई। इस मामले में कृष्णा नगर के अलीनगर नगर सुनहरा निवासी विनय कुमार यादव ने सरोजनी नगर के चिल्लावां, बाग नंबर -3 निवासी अली उर्फ फैज, छोटू, अनूप और आसिफ के खिलाफ सरोजनी नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। विनय कुमार का कहना है कि वह 24 जुलाई को दोपहर करीब 12:50 बजे एयरपोर्ट के पिलर संख्या-17 के सामने सवारी की प्रतीक्षा कर रहे थे। इसी दौरान अली उर्फ फैज, छोटू, अनूप और आसिफ वहां पहुंचे और सवारी को लेकर विवाद करने लगे। विनय ने विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि जाते समय आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। विनय कुमार यादव का आरोप है कि आरोपी पहले भी कई बार सवारी को लेकर अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज कर चुके हैं, जिससे वह काफी डरा सहमा है। फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर सरोजनीनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रभु श्री राम जी के मंदिर में दान पात्र से चोरी को लेकर संसद भवन नई दिल्ली में सपा सांसद आनंद भदौरिया, अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद ने अपने अपने शिर पर दान पेटिका रख कर चोरी का प्रतीकात्मक विरोध करते हुए

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती लापता

भाई ने एक युवक पर बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का लगाया आरोप

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र से बुधवार को एक 18 वर्षीया युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद युवती के भाई ने एक युवक पर बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बंथरा थाना क्षेत्र में रहने वाले पीड़ित का कहना है कि है कि 29 जुलाई 2026 को 12 बजे उसकी 18 वर्षीय बहन को थाना क्षेत्र के ही ऐन गांव में रहने वाला प्रिंस गुप्ता पुत्र रमेश गुप्ता बहला फुसला कर अपने साथ कहीं भगा ले गया है। पीड़ित का कहना है कि 5 महीने बाद उसकी शादी होने वाली है। जिसके लिए घर में रखे गहने - मांग बिंदी, मंगलसूत्र, दो जोड़ी पायल और करीब दो तोले की सोने की चेन के अलावा अलमारी में रखे आम बिक्री से प्राप्त 2.70 लाख रुपये की नकदी भी उसकी बहन लेकर चली गई। फिलहाल पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए युवती और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

फर्जी दस्तावेजों के जरिए इनोवा कार बेचकर लाखों रुपये हड़पे,

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में फर्जी दस्तावेजों के जरिए इनोवा कार बेचकर लाखों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस मामले में मूलरूप से हरदोई जिले के कासिमपुर स्थित गौसगंज व वर्तमान में ठाकुरगंज के दुबग्गा निवासी मोहम्मद जैद ने ठाकुरगंज के पक्का बाग निवासी रेहान खान, मोहम्मद जावेद और मनीष सिन्हा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। मोहम्मद जैद के मुताबिक वह वर्ष 2025 में एक इनोवा कार खरीदना चाहते थे। तभी उनकी मुलाकात रेहान खान और मोहम्मद जावेद से हुई, जिन्होंने उन्हें एक इनोवा कार दिखाते हुए बताया कि वाहन पर किसी प्रकार का बैंक ऋण नहीं है। इस दौरान कार मालिक मनीष सिन्हा ने भी आरसी दिखाते हुए यही कहा। इसके बाद 26 नवंबर 2025 को 3.20 लाख रुपये में सौदा तय हुआ और जैद ने पूरी रकम उन्हें दे दी। कुछ समय बाद वाहन की आरसी भी उनके नाम स्थानांतरित करा दी गई। पीड़ित का कहना है कि मार्च 2026 के अंत में आरटीओ कार्यालय से सूचना मिली कि वाहन पर बैंक का ऋण बकाया है और आरसी जमा करनी होगी। इस पर आरोपियों ने मोहम्मद जैद से खुद इनोवा वापस लेकर रुपये लौटाने का भरोसा दिया। बाद में 3 अप्रैल 2026 को उक्त इनोवा एक अन्य व्यक्ति इरफान को 4.80 लाख रुपये में बेचने की बात कहकर उससे कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर भी करा लिए गए। पीड़ित का कहना है कि बाद में आरटीओ से मिले नोटिस में वाहन को 5.80 लाख रुपये में बेचे जाने का उल्लेख मिला, जिसे पीड़ित ने गलत बताया। आरोप है कि उन्होंने इरफान को 4.40 लाख रुपये वापस कर दिए, लेकिन मनीष सिन्हा, मोहम्मद जावेद और रेहान खान ने फजीर्वाड़ा कर उनकी कुल 4.75 लाख रुपये की रकम हड़प ली। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उतरेठिया में विवाद के दौरान कट्टे से फायरिंग का प्रयास, मिस फायर होने से टली बड़ी वारदात

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई थाना क्षेत्र के उतरेठिया में गुरुवार देर रात किरायेदार और मकान मालिक के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि किरायेदार ने अवैध तमंचा (कट्टा) निकालकर मकान मालिक पर जान से मारने की नीयत से फायर करने का प्रयास किया, लेकिन फायर मिस हो गया। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, उतरेठिया निवासी कृष्णा मिश्रा ने बताया कि 30 जुलाई की रात करीब 12:30 बजे उनके घर में रहने वाले किरायेदार अभिषेक श्रीवास्तव (पुत्र पवन कुमार, निवासी सदर बाजार, बरेली) से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि समझाने पर अभिषेक गाली-गलौज करने लगा। इसी दौरान कृष्णा मिश्रा के चचेरे भाई दीपक त्रिपाठी और अमन मिश्रा बीच-बचाव करने पहुंचे। आरोप है कि अभिषेक श्रीवास्तव ने अवैध कट्टा निकालकर कृष्णा मिश्रा पर जान से मारने की नीयत से फायर किया, लेकिन गोली नहीं चली। इसके बाद तीनों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पीजीआई पुलिस आरोपी को अवैध असलहे सहित थाने ले गई। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि ₹आज नहीं तो कल तुम्हें जान से मार दूंगा।₹ पुलिस मामले में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई कर रही है। आरोपी के कब्जे से बरामद अवैध असलहे की भी जांच की जा रही है।

देवी का साया का डर दिखाकर टप्पेबाजों ने दंपति से रुपये और जेवरात किए पार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद क्षेत्र के बंजारन खेड़ा अवध ढाबा के पास टप्पेबाज साइकिल सवार दंपति को देवी का साया और अनहोनी का डर दिखाकर उनसे 656 रुपये नकद और जेवरात लेकर फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

कैथुलिया गांव निवासी सतगुरु ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि गुरुवार सुबह करीब 11 बजे वह अपनी पत्नी कंचन गौतम और 11 माह के बच्चे के साथ साइकिल से मलिहाबाद के बदौरा गांव में रिश्तेदारी में अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही वे बंजारन खेड़ा चौराहे के आगे पहुंचे, पशु बाजार के पास एक अज्ञात व्यक्ति ने उनसे पता पूछा। कुछ ही देर बाद एक अपाचे बाइक सवार दूसरा युवक भी वहां आ पहुंचा।

आरोप है कि बाइक सवार ने बातचीत के दौरान अचानक कहा कि आप दोनों पर देवी का साया है और घर में जल्द कोई बड़ी अनहोनी हो सकती है। बचाव के लिए उसने कहा कि अपने पास रखे सभी रुपये और पत्नी के जेवर एक पन्नी में रख दो। इसके बाद कुछ दूरी तक पैदल चलते जाओ और पीछे मुड़कर मत देखना। ऐसा करने से अनहोनी टल जाएगी। डर और घबराहट में दंपति ने पन्नी में 656 रुपये और जेवर रख दिए और बताए अनुसार कुछ दूर पैदल चल दिए। कुछ देर बाद जब वे वापस लौटे तो पन्नी गायब थी और दोनों टप्पेबाज भी मौके से फरार हो चुके थे। इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुनायक ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है बाइक का नंबर और टप्पेबाजों की पहचान के लिए आसपास के व्यापारियों और राहगीरों से भी पूछताछ की जा रही है।

अश्विनी भिड़े देशपांडे के शास्त्रीय गायन ने मन मोहा

लखनऊ। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित दीक्षारम्भ-2026 कार्यक्रम के अंतर्गत समापन दिवस अत्यंत गरिमामय एवं सांस्कृतिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पद्मश्री से सम्मानित सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका डॉ. अश्विनी भिड़े देशपांडे द्वारा विश्वविद्यालय के कलामंडपम सभागार में शास्त्रीय गायन की उत्कृष्ट प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह, सुविख्यात शास्त्रीय गायिका डॉ. अश्विनी भिड़े देशपांडे तथा स्पिक मैके के प्रतिनिधि डॉ. हेमचंद्र पालीवाल द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

सरोजनीनगर में दो अलग-अलग स्थानों से बाइक चोरी,रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

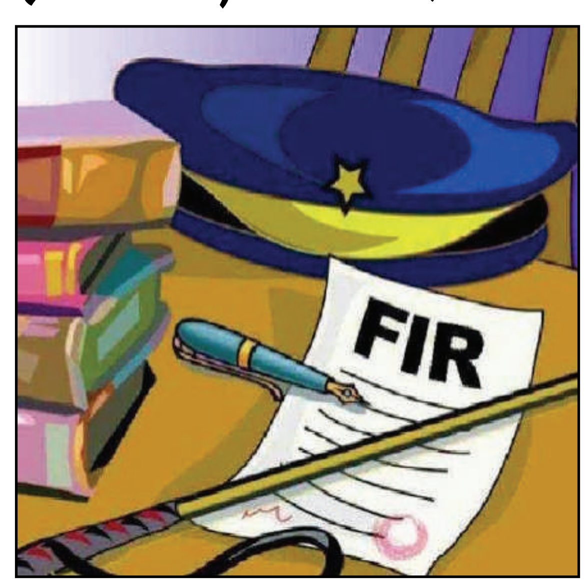

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बीते दिनों अलग-अलग स्थानों से दो मोटरसाइकिल चोरी हो गईं। दोनों पीड़ितों ने सरोजनी नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पहली घटना में गोमतीनगर के खरगापुर स्थित सरस्वती पुरम, कामाख्या मंदिर के पास रहने वाले दीनानाथ यादव का कहना है कि 24 जुलाई की रात करीब 12:30 बजे वह नादरगंज चौराहे के पास अपनी स्प्लेंडर प्लस बाइक (यूपी-32 एमयू-9793) खड़ी कर पान की दुकान पर सामान लेने गए थे। वहाँ से लौटने पर बाइक गायब मिली। दीनानाथ का कहना है कि बाइक की डिग्गी में रखा दो सिम लगा सैमसंग मोबाइल फोन और पर्स भी चोरी हो गया। वहीं दूसरी घटना में उन्नाव जिले के असोहा थानान्तर्गत भटपुरा निवासी महिला अंकिता का कहना है कि 24 जुलाई को दोपहर करीब 12:10 बजे सरोजनी नगर स्थित हज हाउस के पास उनकी हीरो पैशन प्रो बाइक (यूपी-41 एबी-1812) चोरी हो गई। जानकारी होते ही आनन-फानन डायल-112 पर सूचना देने के साथ काफी तलाश की गयी, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं लग सका। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस दोनों पीड़ितों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर घटनास्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के सहारे बाइक चुराने वालों का सुराग लगा रही है।

स्कूल के लिए निकला किशोर लापता, तलाश में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

लापता किशोर राज – फोटो

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के अटौरा गांव से 14 वर्षीय किशोर के रहस्यमय परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मलिहाबाद के अटौरा निवासी कमलेश कुमार के अनुसार उनका 14 वर्षीय भांजा राज पुत्र राजकुमार पिछले कुछ वर्षों से उनके घर रहकर पढ़ाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि बुधवार की सुबह राज स्कूल जाने में आनाकानी कर रहा था, जिस पर उसे डांट दिया गया। इसके बाद सुबह करीब 9:30 बजे वह स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकला, लेकिन विद्यालय नहीं पहुंचा।

करीब 10 बजे स्कूल से जानकारी मिलने पर परिजनों के होश उड़ गए। परिवार ने तत्काल रिश्तेदारों, परिचितों और दोस्तों के यहां तलाश शुरू की। आसपास के गांवों के अलावा चौराहों, रेलवे स्टेशन और बस अड्डे तक उसकी खोजबीन की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका।

परिजनों ने आशंका जताई है कि नाबालिग होने के कारण उसके साथ कोई अनहोनी हो सकती है या फिर कोई उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया हो। उन्होंने पुलिस से जल्द से जल्द किशोर को सकुशल बरामद करने की मांग की है।

इस संबंध में मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मामले में गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। किशोर की तलाश के लिए पुलिस टीमों को सक्रिय किया गया है और आसपास के क्षेत्रों में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

छात्र-नौजवानों के आगे झुकी भाजपा : अखिलेश

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि छात्र-नौजवानों की ताकत के सामने भाजपा की अहंकारी सरकार को झुकना पड़ा। प्रधानमंत्री को बचाने के लिए मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इस्तीफा दिया। उनके इस्तीफे के बाद भाजपा सांसदों ने राहत की सांस ली।

बदायूं के एक दिवसीय दौरे के दौरान गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि विपक्ष चाहता है कि सरकार दिल्ली में छात्रों-नौजवानों पर हुई बर्बरता पर संसद में बयान दे। छात्रों-नौजवानों पर लाठियां चली, पैलेट गन चला, कील लगी लाठियां मारी गयीं। छात्रों को पता है लाठियां कहां से चली लेकिन चलाने वालों को नहीं पता है कि किसके आदेश से लाठी और गोली चली। भाजपा सरकार ने छात्रों पर अत्याचार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग अलोकतांत्रिक है। छात्रों पर लाठी, गोली चलाना, सिर फोड़ना, घायल करना और बेटियों के कपड़े फाड़ना बर्बरता है। भाजपा नकारात्मक राजनीति करती है। छात्रों-नौजवानों के प्रति भाजपा सरकार की नीयत साफ नहीं है। उत्तर प्रदेश में जबसे भाजपा सरकार आयी है 20 से ज्यादा पेपर लीक हुए है। भाजपा सरकार ने शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया। इस सरकार ने उत्तर प्रदेश में 26 हजार से ज्यादा स्कूल बंद कर दिए। इन्होंने सिर्फ स्कूल ही बंद नहीं किये बल्कि भाजपा सरकार ने लाखों नौकरियां भी खत्म कर दी। भाजपा सरकार गरीबों को शिक्षा से दूर कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के एक रंगी लोग संत रविदास के विचारों पर नहीं चलते है। ये लोग संत रविदास के विचारों पर अमल नहीं करते है। भाजपा संत रविदास और बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों को नहीं मानती है। अखिलेश यादव ने बदायूं पहुंचकर पूर्व मंत्री ओमकार सिंह यादव के निधन पर शोक प्रकट करते हुए श्रद्धांजलि दी। ओमकार सिंह यादव के परिजनों से मिलकर शोक संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि ओमकार सिंह यादव ने संघर्ष कर राजनीति में अपना स्थान बनाया। समाजवादी सिद्धांतों को मजबूत किया। नेताजी का साथ दिया।

ग्रामीणों ने सराहा जल जीवन मिशन का प्रभाव

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाएं जल जीवन मिशन और नमामि गंगे देशभर के ग्रामीण समुदायों के जीवन में व्यापक परिवर्तन ला रही हैं। इन जन-केंद्रित पहलों के प्रभाव को दर्शाते हुए उत्तर प्रदेश के विभिन्न गांवों से कुल 17 पत्र प्राप्त हुए हैं, जिनमें लाभार्थियों ने स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने, जनस्वास्थ्य में सुधार, महिलाओं का श्रम एवं समय बचाने तथा जीवन की समग्र गुणवत्ता में वृद्धि के लिए प्रधानमंत्री के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। इन पत्रों में ग्रामीणों ने समावेशी ग्रामीण विकास के प्रति प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और प्रतिबद्धता की भी सराहना की है। इनमें से एक पत्र जनपद ललितपुर के विकास खंड जाखौरा की ग्राम पंचायत खडेरा के ग्रामीणों द्वारा भेजा गया है। ग्रामीणों ने अपने पत्र में जल जीवन मिशन एवं नमामि गंगे के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रधानमंत्री के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रत्येक घर तक नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचने से गांव के जीवन में ऐतिहासिक परिवर्तन आया है।

प्रधानमंत्री को भेजे धन्यवाद पत्र

ग्रामीणों ने बताया कि अब महिलाओं को पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती, जिससे उन्हें सुविधा मिली है, समय की बचत हुई है, स्वास्थ्य में सुधार आया है तथा जीवन स्तर बेहतर हुआ है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि समय पर जलापूर्ति होने से बच्चे समय पर विद्यालय पहुंच रहे हैं और गांव में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण का निर्माण हुआ है। एक अन्य पत्र में जनपद बांदा के विकास खंड जसपुरा की ग्राम पंचायत अमारा के निवासी बच्चा कोरी ने अपने गांव में जल जीवन मिशन के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि यह परियोजना निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी की गई तथा पिछले चार वर्षों से गांव के सभी परिवारों को सौर ऊर्जा आधारित पेयजल आपूर्ति प्रणाली के माध्यम से सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। उनके अनुसार, स्वच्छ जल की नियमित उपलब्धता से ग्रामीणों के दैनिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है तथा घरेलू और कृषि संबंधी कार्य अधिक सुगमता एवं दक्षता के साथ संपन्न हो रहे हैं। इन सभी पत्रों में यह स्वीकार किया गया है कि प्रधानमंत्री की जनकल्याणकारी योजनाओं ने ग्रामीण विकास को नई गति प्रदान की है तथा राज्य के गांवों को स्थायी और व्यापक लाभ पहुंचाए हैं। ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और ग्रामीण नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया है।

साथ ही, उन्होंने जल जीवन मिशन एवं नमामि गंगे के क्रियान्वयन से जुड़े अधिकारियों एवं क्षेत्रीय कार्मिकों के प्रयासों की भी प्रशंसा की तथा आशा व्यक्त की कि इस प्रकार की विकासोन्मुखी पहलें भविष्य में भी ग्रामीण भारत को और अधिक सशक्त बनाती रहेंगी।

3 से 10 अगस्त तक चलेगा दिव्यांगजन रोजगार अभियान

अमन लेखनी समाचार

- हजारों दिव्यांगजन जुड़ेंगे रोजगार और स्वरोजगार से, कौशल विकास मिशन करेगा आयोजन

लखनऊ। दिव्यांगजनों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए योगी सरकार द्वारा प्रदेश भर में 'दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0' का आयोजन 3 से 10 अगस्त 2026 तक किया जा रहा है। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की इस विशेष पहल का उद्देश्य कौशल प्रशिक्षण प्राप्त दिव्यांगजनों सहित अन्य योग्य इच्छुक दिव्यांग युवाओं को उनकी योग्यता और कौशल के अनुसार रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। अभियान के दौरान प्रदेश के सभी राजकीय आईटीआई में विशेष रोजगार गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। दिव्यांग अभ्यर्थियों को रोजगार के साथ-साथ विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। जिला उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन केंद्र औद्योगिक इकाइयों और व्यावसायिक संस्थानों से समन्वय कर रिक्तियों की जानकारी जुटाएगा। वहीं, एमएसएमई विभाग स्वरोजगार योजनाओं और लीड बैंक के माध्यम से ऋण व वित्तीय सहायता में सहयोग करेगा।

जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी और जिला रोजगार सहायता अधिकारी रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकृत अभ्यर्थियों को रिक्तियों से जोड़ेंगे। अभियान की खास बात यह है कि पिछले दो चरणों में लाभान्वित दिव्यांगजनों का भौतिक सत्यापन भी किया जाएगा, ताकि उनकी वर्तमान स्थिति का आकलन हो सके। योगी सरकार की मंशा है कि कोई भी दिव्यांगजन रोजगार से वंचित न रहे। इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। प्रत्येक जनपद में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति बनाई गई है, जो अभियान की निगरानी और समन्वय करेगी। 10 अगस्त तक सभी जनपदों से लाभान्वितों का विवरण शासन को भेजा जाएगा।

प्रचार-प्रसार अधिक सशक्त करने पर दिया जाये विशेष बल : मंत्री नरेन्द्र कश्यप

राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप की अध्यक्षता में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की प्रचार-प्रसार अनुदान समिति की बैठक संपन्न

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राज्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण व पिछड़ा वर्ग कल्याण (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप की अध्यक्षता में गुरुवार को विधान सभा स्थित उनके सरकारी कार्यालय में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की प्रचार-प्रसार अनुदान समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने बताया कि प्रदेश सरकार के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा प्रदेश में दिव्यांगता निवारण, बचाव, उपचार, पुनर्वासन तथा कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत दिव्यांगता निवारण के प्रचार-प्रसार के लिए अनुदान मद में कुल 35.00 लाख रु. की धनराशि का बजट प्राविधित है, जिसे बढ़ाकर 01 से 02 करोड़ किये जाने के लिए मंत्री ने प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये हैं ताकि प्रदेश स्तर पर उप्र सरकार द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकारण विभाग की समस्त योजनाओं का भली-भांती प्रचार-प्रसार सुनिश्चित हो सके। इस प्रचार-प्रसार अनुदान धनराशि का प्रयोग दिव्यांगजन को विभिन्न संचार माध्यमों यथा - पपेट शो, नुक्कड़ नाटक, आकाशवाणी/एफएम/जिंगल्स, दूरदर्शन आदि से जागरूक करने का कार्य किया जाएगा। कश्यप ने प्रदेश की 350 तहसीलों के स्थान पर 375 तहसीलों पर, 18 मण्डल मुख्यालय एवं समस्त जनपद स्तर के साथ ही 07 महत्वाकांक्षी जिलों यथा बहराइच, बलरामपुर, चंदौली, फतेहपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर एवं सोनभद्र में होर्डिंग्स स्थापित करने के लिए निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रदेश के समस्त मण्डल व जनपद स्तर पर माह के अन्त में कैम्प आयोजित किये जाएं। प्रचार-प्रसार में स्वयं सेवी संस्थानों का भी सहयोग प्राप्त किया जाए। सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार और अधिक सशक्त, सुदृढ़ व प्रभावशाली बनाया जा सकता है। फेसबुक, इंटाग्राम, एक्स (ट्विटर) एवं यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि आज समाज के प्रत्येक व्यक्ति के पास स्मार्ट फोन है और वह इन सब सोशल मीडिया प्लेटफार्म का प्रयोग करते हैं। इन संचार माध्यमों से उन तक पहुंचना काफी आसान हो जाता है और साथ ही सरकार की मंशा भी पूर्ण हो सकेगी।

शल्य चिकित्सा अनुदान समिति की हुई बैठक

लखनऊ। प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण व पिछड़ा वर्ग कल्याण (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप की अध्यक्षता में गुरुवार को विधान सभा स्थित उनके सरकारी कार्यालय में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की शल्य चिकित्सा अनुदान समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मंत्री नरेन्द्र कश्यप को बताया गया कि कोक्लियर इम्प्लांट सर्जरी के लिए 340 आवेदन प्राप्त हुऐ हैं, जिनमें से 200 के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध है लेकिन शेष का भी लाभान्वित करने के लिए और धनराशि की आवश्यकता होगी जिसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जा चुका है और अनुमान है कि वांछित धनराशी शीघ्र मिल जायेगी और भविष्य में प्राप्त होने वाले कुछ और आवेदनों को भी इसमें सम्मिलित किया जायेगा ताकि वह भी इस योजना का लाभ उठा सकें। मंत्री को बताया गया कि कोक्लियर इम्प्लांट सर्जरी के बाद स्पीच थिरैपी बहुज आवश्यक है। स्पीच थिरैपी न होने पर इस शल्य चिकित्सा को अपूर्ण ही समझना चाहिए। मंत्री को बताया गया कि इस शल्य चिकित्सा पर सरकार 05 से 06 लाख रुपए व्यय करती है और सर्जरी के बाद स्पीच थिरैपी न होने पर लाभार्थी को वांछित लाभ प्राप्त नहीं हो पाता है क्योंकि स्पीच थिरैपी हर मण्डल यह जनपद स्तर पर स्थित अस्पताल में यह स्पीच थिरैपी उपलब्ध नहीं है। सरकार अनुदान पर शल्य चिकित्सा प्राप्त करने वालों के लिए ऐसे जनपदों में जाना और वहां रहना-खाना बहुत मंहगा है, जो इन परिवारों के लिए संभव नहीं है। इस मुद्दे पर मंत्री ने प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह को निर्देश दिये कि ऐसा प्रस्ताव तैयार किया जाए जिससे कोक्लियर इम्प्लांट सर्जरी के बाद उन लाभार्थियों को वहीं पर स्पीच थिरैपी की सुविधा उपलब्ध करायी जा सके। राजेश सिंह ने मंत्री को बताया कि डीडीआरसी मण्डल स्तर पर स्थापित होने पर इस समस्या का समाधान हो जाएगा।

मांगों के समर्थन में समाजवादी छात्रसभा का प्रदर्शन

राजभवन में कूच से पूर्व हिरासत में लेकर प्रदर्शनकारियों को भेजा इको गार्डेन पार्क

अमन लेखनी समाचार

- राजधानी लखनऊ के 1090 चौराहे पर धरना देकर जोरदार किया प्रदर्शन

लखनऊ। समाजवादी छात्र सभा के नेतृत्व में हजारों की संख्या में छात्रों-नौजवानों ने विश्वविद्यालयों में फीस बढ़ोतरी को वापस लेने, छात्र संघ चुनाव बहाल करने, बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के 30 दलित छात्रों के निष्कासन को वापस लेने, उन पर लगाये गये आर्थिक जुर्माने को समाप्त करने, रामपुर के मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के भवनों के ध्वस्तीकरण आदेश को वापस लेने और पेपर लीक के विरोध में राजधानी लखनऊ के 1090 चौराहे पर धरना देकर जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन का नेतृत्व समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा ने किया। प्रदर्शन में समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश पदाधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। लखनऊ उत्तर विधानसभा से प्रत्याशी रहीं पूजा शुक्ला की सक्रिय भागीदारी रही। गुरुवार दोपहर में 1090 चौराहे पर एकत्र हुए छात्र-नौजवान अपनी मांगों का ज्ञापन राज्यपाल को देने के लिए राजभवन कूच करने की तैयारी कर रहे थे लेकिन पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोकने का प्रयास किया। पुलिस ने छात्रों के साथ धक्का मुक्की की। पुलिस ने सभी छात्र और नौजवानों को जोर जबरदस्ती से हिरासत में लेकर इकोगार्डेन भेज दिया।

इस अवसर पर विनीत कुशवाहा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जब से भाजपा सरकार बनी हैं तबसे उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में लगातार बढ़ाई जा रही फीस के कारण गरीब किसान, मजदूर, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना दिन-प्रतिदिन कठिन होता जा रहा हैं, शिक्षा किसी भी लोकतांत्रिक समाज की आधारशिला हैं इसलिए इसे आर्थिक बोझ नहीं बनाया जाना चाहिए लेकिन भाजपा चाहती हैं कि उत्तर प्रदेश का नौजवान अशिक्षित और अनपढ़ हो, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव वर्षों से नहीं होने से विश्वविद्यालयों में लोकतान्त्रिक परम्परा कमजोर हो रही हैं।

संक्षेप

बकाया रुपया मांगने पर आरोपी ने की मारपीट

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत भानीखेडा निवासिनी उर्मिला ने तहरीर देकर बताया कि उसका पान पुड़िया की दुकान है। पड़ोसी संदीप पुत्र प्रदीप का दुकान से लिये गए सामान का पुराना हिसाब वाकी है। बुधवार दोपहर वह फिर उधार मांगने लगा मेरे मना करने व पुराना हिसाब करने के लिए कहने पर संदीप उसके पिता प्रदीप व अनुज पुत्र अशोक ने मिलकर मुझे व मेरे पति रामनाथ को जमकर पीटा जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई है। थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

मेला आयोजन को लेकर एसडीएम ने मंदिर परिसर का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। कस्बा अंतर्गत श्री बिल्लेश्वर महादेव मंदिर में आने वाले कांवड़ यात्रियों, मंदिर में होने वाले जलाभिषेक व मेला आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए एसडीएम पुरवा ने मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। मंदिर के मुख्य मार्ग पर बन रही पुलिया के वैकल्पिक मार्ग पर बैरीकेडिंग करने व सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश एसडीएम ने दिए। पवित्र श्रावण मास के आगामी सोमवार को होने वाले जलाभिषेक व मेला के दौरान आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान प्रभारी तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी व नगर पंचायत कार्यालय से पंकज कुमार उपस्थित रहे। एसडीएम दिग्विजय सिंह ने बताया कि कस्बा के श्री बिल्लेश्वर मंदिर का निरीक्षण कर श्रावण मास के सोमवार की समुचित व्यवस्था हेतु मातहतों को दिशा निर्देश दिए।

डाला चोरों को पुलिस ने धर दबोचा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। बीते 28 जुलाई की रात असोहा थाना क्षेत्र के लालखेड़ा चौराहा स्थित बाबा धर्म काटा के पास से अजगैन थाना छेत्र के गुरुसहाय खेड़ा निवासी विजय प्रताप महिंद्रा पिकप डाला चोरी हो गया था , जिसका प्रार्थना पत्र पिकप मालिक ने स्थानीय थाने में दिया था ।29 जुलाई की रात पुलिस ने गस्त के दौरान असोहा जुनाबगंज मार्ग पर देवरा बाबा के पास साई नदी पर बने पुल पर पिकप डाला पकड़ लिया पूछ तांछ के दौरान पिकप सवार सही जवाब नही दे पाए ,पुलिस पिकप सवार सुधीर कुमार , शंकर दोनों स्थानीय थाने के पैंथर गांव निवासी तथा तीसरे अभियुक्त अवधेश कुमार निवासी गोकुलपुर थाना असोहा को थाने ले आई कड़ाई से पूछने पर तीनों ने अपराध स्वीकार कर लिया । तीनो युवक अपराधी किस्म के है तीनो युवको पर स्थानीय थाने में कई मामलों में अभियोग पहले से ही पंजिकृत है । थानाध्यछ फूल सिंह ने बताया कि तीनों के खिलाफ कार्यवाही करके न्यायलय भेजा गया जहाँ न्यायलय ने जेल भेज दिया ।

मारपीट व फायरिंग के 5 आरोपी गिरफ्तार, 2 तमंचे बरामद

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कोतवाली सदर पुलिस ने बच्चों के विवाद में हुई मारपीट व फायरिंग के मामले में दोनों पक्षों के 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 2 अवैध तमंचे 315 बोर व 2 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। साथ ही घटना में शामिल 3 बाल अपचारियों को पुलिस संरक्षण में लिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत 29 जुलाई 2026 को थाना क्षेत्र के गदनखेड़ा गांव में बच्चों के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट व फायरिंग हुई थी। प्रथम पक्ष से वादी दिवाकर वर्मा पुत्र मैकूलाल निवासी गदनखेड़ा की तहरीर पर मु0अ0सं0 472/2026 धारा 191(2) /115(2)/ 352/ 109(1)/125 बीएनएस पंजीकृत किया गया। वहीं द्वितीय पक्ष से वादिनी परसूतन पत्नी छोटेलाल खटीक की तहरीर पर मु0अ0सं0 473/2026 धारा 191(2)/ 115 (2)/ 352 /351(3)/ 109(1) बीएनएस व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने गुरुवार को गदनखेड़ा बाईपास से दोनों पक्षों के 5 लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में प्रथम पक्ष से वीरेन्द्र सोनकर पुत्र छोटेलाल उम्र 32 वर्ष शामिल हैं। वहीं द्वितीय पक्ष से मैकू राजपूत पुत्र स्व0 शंकर उम्र 55 वर्ष, वासु राजपूत पुत्र श्रीकृष्ण उम्र 19 वर्ष, शिवा राजपूत पुत्र श्रीकृष्ण उम्र 20 वर्ष और राकेश राजपूत उर्फ रामू पुत्र श्रीकृष्ण को पकड़ा गया। सभी निवासी गदनखेड़ा हैं। पुलिस ने वीरेन्द्र सोनकर के कब्जे से 1 तमंचा 315 बोर व 1 जिंदा कारतूस तथा राकेश राजपूत के कब्जे से 1 तमंचा 315 बोर व 1 जिंदा कारतूस बरामद किया। इसके अलावा घटना में संलिप्त 3 बाल अपचारियों को भी पुलिस संरक्षण में लिया गया है। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक चन्द्रकान्त मिश्र, उ0नि0 अनिल कुमार साहू, उ0नि0 अंजनी सिंह, का0 संत कुमार, का0 शेर सिंह, का0 महेश सिंह व रि0का0 सतीश शामिल रहे।

विकासखंड सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। विकासखंड सभागार में गुरुवार को ग्राम पंचायतों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत अधिकारियों एवं पंचायत सहायकों को ओएसआर के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए ग्राम पंचायतों की स्वयं की आय बढ़ाने के विभिन्न उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि पंचायतें स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग कर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकती हैं। इसके लिए कर एवं शुल्क का नियमित संग्रह, पंचायत संपत्तियों का प्रभावी प्रबंधन, बाजार, हाट, तालाब, सामुदायिक भवन तथा अन्य परिसंपत्तियों का नियमानुसार उपयोग कर राजस्व बढ़ाया जा सकता है। साथ ही आय के नए स्रोतों की पहचान कर उन्हें विकसित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि पंचायतों की आर्थिक आत्मनिर्भरता से विकास कार्यों में तेजी आएगी और ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का बेहतर विकास संभव होगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं, वित्तीय प्रबंधन, लेखा प्रणाली तथा पंचायतों के संसाधनों के प्रभावी उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गईं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य ट्रेनर डीपीएम कृष्ण कुमार तिवारी रहे। उनके साथ सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) दीपकांत कोला ने भी पंचायतों की आय वृद्धि एवं ओएसआर से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी आनंद सुमन, विमल कुमार, कुलदीप सिंह, रोहित सिंह, पंचम लाल, बृजेश कुमार, सुभाष, आशीष कुमार, ऑपरेटर सौरभ अवस्थी, नितिन चौरसिया, जितेंद्र सिंह सहित अन्य ब्लॉक कर्मचारी, ग्राम पंचायत अधिकारी, पंचायत सहायक आरती यादव, अंशिका सिंह, रिंकी, सौम्या कल्पना अनमोल, एवं संबंधित अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों से पंचायतों की आय बढ़ाने के लिए प्राप्त ज्ञान का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन करने का आह्वान किया गया।

यूपीटीजीटी परीक्षा में रूबी बानो ने 28वां स्थान प्राप्त कर जनपद का नाम किया रोशन

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित यूपीटीजीटी परीक्षा में क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर निवासी प्रतिभाशाली छात्रा रूबी बानो ने प्रदेश में 28वां स्थान प्राप्त कर क्षेत्र ही नहीं बल्कि जनपद का नाम रोशन किया है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता से परिवार, शुभचिंतकों और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। मालूम हो कि रुबी बानो ने हाई स्कूल तक शिक्षा गांव के पडोस मे स्थित जनता हाई स्कूल राजेपुर व इंटरमीडिएट नगर के सुभाष इंटर कॉलेज से उत्तीर्ण किया। जहां उसने अपनी मेधा और अनुशासन का परिचय दिया। अब यूपीटीजीटी परीक्षा में शानदार रैंक हासिल कर उसने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम दर्ज कराई है। रूबी के पिता मुन्ना साधारण किसान हैं। जबकि भाई इशरत अली

कई बार से ग्राम दौलतपुर के प्रधान है। इशरत अली ने बताया कि रूबी शुरू से ही पढ़ाई के प्रति समर्पित रही हैं और नियमित अध्ययन के साथ कठिन परिश्रम को अपनी सफलता का आधार बनाया। परिवार के सदस्यों ने इस उपलब्धि का श्रेय रूबी की लगन, माता-पिता के मार्गदर्शन तथा गुरुजनों के आशीर्वाद को दिया है। परीक्षा परिणाम की जानकारी होते ही शुभचिंतकों ने मिठाई खिलाकर उसकी सफलता का उत्सव मनाया तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नवागत एसडीएम ने पीएचसी का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

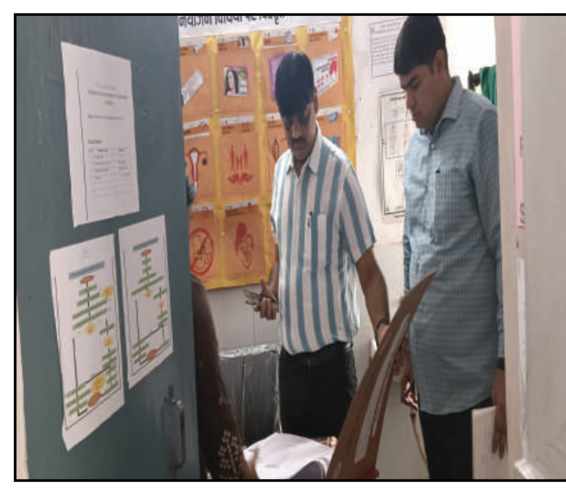

पुरवा-उन्नाव। नवागत एसडीएम ने हिलौली प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षक किया जहां खामियों का भण्डार मिला। इस पर नाराजगी जताते हुए एसडीएम ने केंद्र प्रभारी को व्यवस्था सुधारने के कड़े निर्देश दिए और कार्यवाही के लिए उच्चाधिकारियों को पत्र लिखा। बृहस्पतिवार को उपजिलाधिकारी दिग्विजय सिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हिलौली के निरीक्षण में अनुपस्थित मिले कर्मचारियों के विरुद्ध वेतन रोके जाने की संस्तुति करते हुए जिलाधिकारी को पत्र लिखा है। निरीक्षण में मरीजों को बाहर की दवाएं लिखे जाने की शिकायत मिली जबकि यह शासन की मंशा के विपरीत है। साथ ही फार्मासिस्ट द्वारा एक्सपायरी दवाएं वितरित करने की शिकायत मिली है। जूनियर चिकित्सकों द्वारा मरीजों को देखे जाने, दवा वितरण केन्द्र में स्टाक व वितरण पंजिका में दर्ज विवरण के अनुसार वित्तीय अनियमितता भी पाई गई। केन्द्र में कार्यरत कुल 26 कर्मचारियों व चिकित्सकों में पांच कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये। एसडीएम को अस्पताल का भ्रमण केन्द्र प्रभारी दीपक वर्मा ने कराया। एसडीएम दिग्विजय सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य केन्द्र की व्यवस्था बेहद खराब मिली। विभिन्न प्रकार की अनियमितताओं तथा अनुपस्थित कर्मचारियों की वेतन कटौती हेतु जिलाधिकारी को पत्र लिखा है।

किसान आदर्श पब्लिक स्कूल में मेधावी छात्रों का सम्मान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा क्षेत्र के मिर्री कलां स्थित किसान आदर्श पब्लिक स्कूल में बुधवार को मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। विद्यालय में लगभग 450 विद्यार्थियों के बीच हुई प्रतिस्पर्धा में अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावियों को पुरस्कृत किया गया। कक्षा 5 में अमन, कक्षा 7 में सोनाक्षी और कक्षा 8 में अनुज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार अन्य कक्षाओं के प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक विनय विक्रम सिंह ने सभी मेधावी छात्रों को पुरस्कार देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत से ही सफलता मिलती है और बच्चे इसी तरह आगे भी विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन करें। समारोह में शिक्षक, अभिभावक व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

भैंस को लेकर हुआ दो पक्षों में विवाद दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मौरावां कस्बे के लोनियन खेड़ा मोहल्ले में भैंस को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला करने, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मौरावां थाना क्षेत्र के लोनियन खेड़ा मोहल्ले में 25 जुलाई की शाम को भैंस के विवाद को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। एक पक्ष के मान सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उनके पिता जगन्नाथ के साथ पड़ोस के सूरज, नीरज, रामनरेश तथा शनि ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे उनके भतीजे अखिलेश को भी पीट दिया गया। घटना में जगन्नाथ गंभीर रूप से घायल हुए, जिनका जिला अस्पताल में उपचार कराया गया। आरोप है कि जाते समय विपक्षियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। वहीं दूसरे पक्ष के रामनरेश ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया कि जगन्नाथ, अखिलेश और रागिनी ने उनके घर के सामने गाली-गलौज की। विरोध करने पर तीनों ने मिलकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे उनके नाती शनि को भी पीटा गया, जिससे दोनों को चोटें आईं। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपित धमकी देते हुए मौके से चले गए। इंस्पेक्टर कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कांवड़ मार्ग पर कई दिनों से झुका बिजली का पोल, हादसे की आशंका

अमन लेखनी समाचार

परियर, उन्नाव। विद्युत उपखंड सफीपुर के अंतर्गत परियर फीडर के माना बंगला से गंगा तट जाने वाले मार्ग पर कई दिनों से एक बिजली का पोल झुका हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को होने के बावजूद अब तक इसे ठीक नहीं कराया गया है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों के अनुसार श्रावण माह शुरू होने के साथ इसी मार्ग से बड़ी संख्या में कांवड़िए गंगा जल लेकर बाबा बलखंडेश्वर महादेव मंदिर एवं लोधेश्वर महादेव मंदिर जलाभिषेक के लिए गुजरते हैं। ऐसे में झुका हुआ विद्युत पोल श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि विद्युत उपखंड के एसडीओ एजाज अहमद से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका मोबाइल फोन अधिकांश समय नहीं लग सका।

इस संबंध में अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) रंजीत कुमार से बात की गई। उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी एसडीओ को देकर झुके हुए विद्युत पोल को जल्द से जल्द ठीक कराने के निर्देश दिए जाएंगे। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी संभावित दुर्घटना से बचने के लिए तत्काल पोल को सुरक्षित कराने की मांग की है।

महिला ने रिश्तेदार पर लगाया शोषण का आरोप

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता ने कोतवाली में तहरीर देकर अपने रिश्तेदार पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस से आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। तहरीर के अनुसार विवाहिता का पति रोजी-रोटी कमाने के लिए बाहर रहकर मजदूरी करता है। जबकि वह गांव स्थित अपने घर पर अकेली रहती है। आरोप है कि गत 7 जुलाई को उसका रिश्तेदार राजेश उसके घर आया और घूमने के बहाने उसे अपने गांव शेरपुर कला ले गया। पीड़िता का कहना है कि वहां कुछ दिनों तक उसे अपने घर में रखा गया। 24 जुलाई को आरोपी ने कथित रूप से उसे नशीला

पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के अनुसार उसने घटना की जानकारी मोबाइल फोन के माध्यम से अपने पति को दी। सूचना मिलने पर उसका पति सीधे शेरपुर कला पहुंचा। आरोप है कि वहां आरोपी ने पति-पत्नी दोनों के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर वहां से भगा दिया। इसके बाद पीड़िता ने बेहटा मुजावर थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ लिखित तहरीर दी और न्याय दिलाने की गुहार लगाई।

बाइक व ऑटो की आमने सामने भिड़ंत, मां बेटी समेत तीन लोग घायल

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर करन गांव के पास में बुधवार रात एक बाइक और ऑटो की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार एक युवक और ऑटो में सवार मां-बेटी सहित कुल तीन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

यह दुर्घटना सिकंदरपुर करन बाजार के पास सर्विस रोड पर हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। ऑटो में सवार दोनों महिलाओं को भी चोटें आईं, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया।

घायलों की पहचान निदनखेड़ा, पोस्ट विभौरा चंदनपुर निवासी 32 वर्षीय अनूप के रूप में हुई है, जो बाइक चला रहे थे। ऑटो में डंडमऊ, पोस्ट लालकुआं, थाना बीघापुर निवासी रामरती (पत्नी रामकिशन) और उनकी बेटी गीता सवार थी,

स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस को बुलाया। एंबुलेंस के पायलट पंकज कुमार और ईएमटी सरोज कुमार ने घायलों को प्राथमिक उपचार प्रदान किया। तीनों घायलों को पहले स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से उन्हें बेहतर उपचार के लिए 100 बेड अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

तालाब में मछली मारने गए युवक की गहरे पानी में डूबने से मौत

अमन लेखनी समाचार

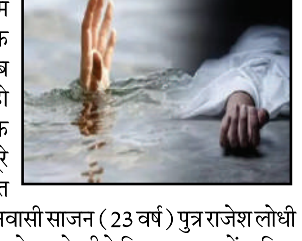

मौरावां, उन्नाव। थाना क्षेत्र के ग्राम गुलरिहा में दिन बुधवार की दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। जहां तालाब में डूबने से 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई। इस अचानक हुई दुर्घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम गुलरिहा निवासी साजन (23 वर्ष) पुत्र राजेश लोधी कल 29 जुलाई 2026 की दोपहर अपने घर के पीछे स्थित तालाब में कटिया लगाकर मछली पकड़ने गया था। इसी दौरान पैर फिसलने से तालाब जा गिरा, जिससे उसकी जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज अमर सिंह पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। इस संबंध में जानकारी देते हुए चौकी इंचार्ज अमर सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में यह सामने आई है कि मृतक साजन शराब का आदी था। घटना के वक्त भी वह नशे में था ऐसा प्रतीत हो रहा था। आशंका जताई जा रही है कि नशे में संतुलन बिगड़ने और पैर फिसलने के कारण वह तालाब में जा गिरा, जिससे डूबकर उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही की गई है।

झाड़ फुक करने वाले तांत्रिक ने फांसी लगाकर की आत्म हत्या

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। स्थानीय थाना क्षेत्र के अन्तर्गत झाड़ फूंक करने वाले तांत्रिक ने अपने घर के अंदर बंद कमरे में पंखे के हुक से लटक कर खुदकुशी कर ली, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के अन्तर्गत लवानी गांव निवासी शंकरलाल पुत्र जंगली लगभग 55 वर्ष आज गुरुवार को पूर्वान्ह लगभग 11 बजे अपने ही घर के कमरे में जाकर दरवाजे बंद कर लिया, काफी देर जब वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो खिड़की से देखा गया कि वह छत में लगे पंखे के हुक से रस्सी लटका हुआ था ,दरवाजा खोलने की कोशिश की गई लेकिन दरवाजा नहीं खुला तो दीवार तोड़ कर अंदर जाकर देखा गया तो वह मृत अवस्था में था, पड़ोसियों द्वारा पुलिस को घटना से संबंधित सूचना दी गई, मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। मृतक झाड़ फूंक करता था, इसके चार पुत्र है तीन पुत्र गैर प्रांतों में में रहकर मजदूरी करते हैं, छोटा पुत्र यहीं साथ रहता है, बताया जाता है वह मानसिक अस्वस्थ भी है। गांव में चर्चा है कि कुछ माह पूर्व शंकरलाल की पत्नी की मृत्यु हो गई थी, तब से यह अत्यधिक तनाव में रहता था। मृतक थाना क्षेत्र के गांव हैबतपुर मजरा दबौली के रहने वाले था, वर्तमान मे यह अपनी ससुराल से लवानी गांव में रह रहा था।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सोहरामऊ थाना क्षेत्र के हिंदुखेड़ा गांव में गुरुवार को एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान पूनम (32) पत्नी परवेश निवासी हिंदुखेड़ा के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार पूनम की शादी वर्ष 2021 में हुई थी। उनके चार बच्चे हैं, जिनमें दो जुड़वां बेटे और दो बेटियां शामिल हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। सोहरामऊ थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद पांडेय ने बताया कि महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की सूचना मिली थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। तहरीर मिलने पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

सम्पादकीय

छात्रों का सम्मान, लेकिन दंगाइयों पर न बरतें नरमी

हाल ही में नीट पेपर लीक को लेकर छात्र आंदोलनों के दौरान हुई गिरफ्तारियों और पुलिस कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद संतुलित टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि जिन छात्रों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और जिन्हें केवल प्रदर्शन में भाग लेने के कारण हिरासत में लिया गया है, उन्हें तत्काल रिहा किया जाए। साथ ही, अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई गई है। यह फैसला लोकतंत्र, न्याय और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सुप्रीम कोर्ट ने केवल छात्रों को राहत देने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि यह भी कहा कि प्रदर्शन के दौरान छात्रों और पुलिसकर्मियों दोनों के घायल होने की घटनाओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इसके लिए अदालत ने डिजिटल साक्ष्यों सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग और अन्य रिकॉर्ड को भी सुरक्षित रखने का निर्देश देकर यह संदेश दिया है कि न्याय तथ्यों के आधार पर होना चाहिए, न कि आरोपों और राजनीतिक दावों के आधार पर। यदि किसी छात्र के साथ अन्याय हुआ है तो उसे न्याय मिलना चाहिए, लेकिन यदि किसी ने हिंसा, आगजनी या सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई भी होनी चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि प्रदर्शनकारियों की निजी जानकारी या पहचान संबंधी विवरण किसी भी रूप में प्रकाशित नहीं की जाए। इससे शीर्ष कोर्ट ने स्पष्ट संदेश दिया है कि लोकतंत्र में विरोध का पूरा सम्मान है, लेकिन कानून से ऊपर कोई नहीं है। देश में पिछले कुछ वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं ने युवाओं का भरोसा कमजोर किया है। लाखों छात्र वर्षों की मेहनत के बाद परीक्षा देते हैं और जब उनकी मेहनत भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती है तो आक्रोश स्वाभाविक है। सरकार की जिम्मेदारी है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पारदर्शी और भरोसेमंद व्यवस्था बनाएं। वहीं, छात्रों को भी यह समझना होगा कि लोकतांत्रिक विरोध का अर्थ सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना या हिंसा का सहारा लेना नहीं है। शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतंत्र की ताकत है, जबकि हिंसा उसकी सबसे बड़ी कमजोरी। यह भी उतना ही आवश्यक है कि पुलिस कार्रवाई कानून के दायरे में रहे। यदि कहीं अनावश्यक बल प्रयोग हुआ है या निर्दोष छात्रों को निशाना बनाया गया है तो उसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। दूसरी ओर, यदि जांच में यह सामने आता है कि हिंसा में बाहरी असामाजिक तत्व शामिल थे या कुछ लोगों ने आंदोलन की आड़ में अराजकता फैलाई, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई में किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। सबसे बड़ी चिंता यह है कि हर बड़े छात्र आंदोलन के बाद असली मुद्दा पीछे छूट जाता है और बहस केवल राजनीति, आरोप-प्रत्यारोप और पुलिस कार्रवाई तक सीमित होकर रह जाती है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट का संदेश स्पष्ट है कि निर्दोष छात्रों की स्वतंत्रता और सम्मान की रक्षा होनी चाहिए, लेकिन कानून तोड़ने वालों को संरक्षण नहीं मिल सकता। सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि परीक्षा प्रणाली इतनी मजबूत बने कि छात्रों को बार-बार सड़कों पर उतरने की नौबत ही न आए। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध का सम्मान होना चाहिए, पर हिंसा और अराजकता को कभी भी आंदोलन का वैध माध्यम नहीं माना जा सकता। छात्रों को न्याय मिले, लेकिन दंगाइयों पर कानून की कठोरता भी उतनी ही दिखाई दे, यही न्याय, लोकतंत्र और सुशासन की वास्तविक कसौटी है।

भारतीय राजनीति का बदलता स्वरूप

मुद्दा
महेन्द्र तिवारी

भारत में सोशल मीडिया का स्वरूप अब महज एक-दूसरे से जुड़ने या तस्वीरें साझा करने के मंच तक सीमित नहीं रह गया है। यह आज राजनीतिक विमर्श, जनमत निर्माण और बड़े जन आंदोलनों का सबसे सशक्त और परिवर्तनकारी माध्यम बन चुका है। कॉकरोच जनता पार्टी ने जिस तरह से पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है, वह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि डिजिटल दुनिया किस प्रकार सड़क की राजनीति को गहराई से आकार दे रही है। इस आंदोलन ने यह पूरी तरह साबित कर दिया है कि युवाओं का असंतोष जब सोशल मीडिया के एल्गोरिदम और नेटवर्क के माध्यम से संगठित होता है, तो वह व्यवस्था के सर्वोच्च स्तर तक अपनी गूंज पहुंचा सकता है।

भारत में सोशल मीडिया का स्वरूप अब महज एक-दूसरे से जुड़ने या तस्वीरें साझा करने के मंच तक सीमित नहीं रह गया है। यह आज राजनीतिक विमर्श, जनमत निर्माण और बड़े जन आंदोलनों का सबसे सशक्त और परिवर्तनकारी माध्यम बन चुका है। कॉकरोच जनता पार्टी ने जिस तरह से पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है, वह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि डिजिटल दुनिया किस प्रकार सड़क की राजनीति को गहराई से आकार दे रही है। इस आंदोलन ने यह पूरी तरह साबित कर दिया है कि युवाओं का असंतोष जब सोशल मीडिया के एल्गोरिदम और नेटवर्क के माध्यम से संगठित होता है, तो वह व्यवस्था के सर्वोच्च स्तर तक अपनी गूंज पहुंचा सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम में समर्थकों और विरोधियों के बीच जो तीखी बयानबाजी हुई, उसने आधुनिक लोकतंत्र में सूचना, तथ्य और दुष्प्रचार के बीच की लगातार धुंधली होती रेखा को भी पूरी तरह उजागर कर दिया है। कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत एक व्यंग्यात्मक अभियान के रूप में हुई थी, जिसका प्रारंभिक उद्देश्य संभवतः व्यवस्था की खामियों पर हल्का कटाक्ष करना था। देखते ही देखते यह लाखों युवाओं की मुखर आवाज बन गया। इस अप्रत्याशित सफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण वह गहरी और संरचनात्मक निराशा थी जो आज के युवाओं में परीक्षा पत्र लीक होने, भर्ती प्रक्रियाओं में होने वाली घोर अनियमितताओं और लगातार बढ़ती बेरोजगारी को लेकर व्याप्त है। जब भारत के महत्वाकांक्षी युवाओं को पारंपरिक राजनीतिक ढांचे में अपने जीवन से जुड़े ज्वलंत सवालों के जवाब नहीं मिले, तो उन्होंने डिजिटल मंचों को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया। इस आंदोलन ने शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल सुधार और रोजगार के समान अवसरों की मांग को इतनी मजबूती से उठाया कि सरकार को भी बचाव की मुद्रा में आना पड़ा।

दिल्ली सहित कई अन्य बड़े शहरों में हुए विशाल प्रदर्शनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह केवल एक आभासी या डिजिटल आक्रोश नहीं था, बल्कि जमीन पर उबल रहा एक वास्तविक और तीव्र गुस्सा था, जिसने अंततः शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक की मांग को मुख्य राष्ट्रीय विमर्श में ला खड़ा किया। जैसे जैसे आंदोलन ने गति पकड़ी और इसका प्रभाव बढ़ने लगा, वैसे वैसे इसके विरोध में भी एक समानांतर और अत्यंत आक्रामक डिजिटल अभियान शुरू हो गया। सोशल मीडिया की यही मूल प्रकृति है कि यहां हर राजनीतिक क्रिया की एक त्वरित और अक्सर बहुत उग्र प्रतिक्रिया होती है। अनेक वायरल पोस्टों के माध्यम से आंदोलन के संस्थापकों और प्रमुख चेहरों पर अत्यंत गंभीर और संगीन आरोप लगाए जाने लगे। यह दावा बड़े पैमाने पर किया गया कि इस आंदोलन का वास्तविक संचालन विदेशों से हो रहा है और इसके पीछे भारत विरोधी विदेशी शक्तियों का हाथ है। कुछ दावों में तो यहां तक कहा गया कि इनके डिजिटल समर्थकों और फॉलोअर्स का एक बहुत बड़ा हिस्सा पड़ोसी देशों से संचालित हो रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी आरोप को तब तक सत्य नहीं माना जा सकता, जब तक कि उसके समर्थन में ठोस, निष्पक्ष और स्वतंत्र प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध न हों। प्रमुख और विश्वसनीय समाचार संस्थानों ने भी इन

आंकड़ों की कोई पुष्टि नहीं की। ऐसे में, बिना किसी विश्वसनीय साक्ष्य के इन गम्भीर दावों को आंख मूंदकर स्वीकार कर लेना केवल राजनीतिक दुष्प्रचार को बढ़ावा देना है। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यहां किसी भी सत्यापित सत्य से अधिक भड़काने वाली भावनाएं तेजी से फैलती हैं। यदि कोई सूचना या दावा राष्ट्रवाद, धर्म, राष्ट्रीय सुरक्षा या किसी ऐतिहासिक अन्याय जैसे संवेदनशील विषयों से जुड़ा हो, तो उसके वायरल होने की गति कई गुना बढ़ जाती है। राजनीतिक दल, उनके सूचना तंत्र और विभिन्न हितधारक संगठन आम जनमानस के इस मनोविज्ञान को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। यही कारण है कि आज डिजिटल प्रचार और सूचनाओं का हेरफेर राजनीतिक रणनीति का एक अत्यंत अभिन्न अंग बन गया है। इस पूरी प्रक्रिया में अक्सर अपुष्ट और भ्रामक जानकारी इतने बड़े पैमाने पर और इतनी चतुराई से फैलाई जाती है कि एक आम नागरिक के लिए यह तय करना लगभग असंभव हो जाता है कि क्या सच है और क्या पूर्ण रूप से झूठ। भावनाओं के इस तेज ज्वार में तथ्य कहीं बहुत पीछे छूट जाते हैं, और हमारा समाज एक ऐसे अंधे ध्रुवीकरण की ओर बढ़ जाता है, जहां शांत और तार्किक बहस के लिए कोई स्थान नहीं बचता। इस पूरे राष्ट्रीय विवाद के दौरान सरकार और कानून व्यवस्था बनाए रखने वाली एजेंसियों की भूमिका भी गहन जांच और चर्चा का विषय बनी रही। जब हजारों युवा अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे तो उन पर नजर रखने के लिए सरकार द्वारा ड्रोन, सीसीटीवी कैमरे और अन्य अत्याधुनिक आधुनिक निगरानी प्रणालियों का व्यापक स्तर पर उपयोग किया गया। यह सच है कि आधुनिक समय में राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तकनीक का उपयोग आवश्यक है, लेकिन इसका उपयोग नागरिकों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकारों को दबाने या उनकी निजता के हनन के लिए कतई नहीं किया जाना चाहिए। इस पूरे राजनीतिक विवाद का एक अत्यंत निराशाजनक पहलू सार्वजनिक संवाद और राजनीतिक भाषा के लगातार गिरते स्तर से जुड़ा हुआ है। सोशल मीडिया पर विरोधियों के खिलाफ जिस प्रकार की जहरीली भाषा का प्रयोग किया गया, वह किसी भी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज के लिए बहुत ही चिंताजनक है। वैचारिक विरोधियों को नीचा दिखाने के लिए अत्यंत अपमानजनक शब्दों का लगातार इस्तेमाल और यहां तक कि उन्हें हिंसक तरीके से सबक सिखाने की खुली धमकियां आम हो गईं। लोकतंत्र में वैचारिक असहमति का होना न केवल स्वाभाविक है, बल्कि व्यवस्था को जीवंत बनाए रखने के लिए बहुत आवश्यक भी है। लेकिन जब यह असहमति व्यक्तिगत शत्रुता में बदल जाए और खुलेआम हिंसा का आह्वान होने लगे, तो यह हमारे महान लोकतांत्रिक मूल्यों का सीधा और स्पष्ट उल्लंघन माना जाता है। भारत का संविधान हर नागरिक को अभिव्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता का अधिकार देता है, लेकिन इस अधिकार के साथ यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी है कि हम कानून व्यवस्था का सम्मान करें।

अंततः, इस पूरे बदलते राजनीतिक परिदृश्य में सबसे बड़ी और निर्णायक भूमिका युवाओं, आम नागरिकों और मुख्यधारा की मीडिया की ही रहने वाली है। भारत की एक बहुत बड़ी आबादी युवाओं की है, और यदि उनके रोजगार, निष्पक्ष प्रतियोगी परीक्षाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े बुनियादी सवालों को नीतिगत स्तर पर हल नहीं किया गया, तो ऐसे आंदोलन भविष्य में भी नए रूपों में जन्म लेते रहेंगे। आधुनिक लोकतंत्र की वास्तविक सफलता अब केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि हम सार्वजनिक विमर्श को कितनी जिम्मेदारी, तथ्यपरकता और परिपक्वता के साथ आगे बढ़ाते हैं।

दिवस विशेष
डॉ. घनश्याम बादल

राष्ट्र निर्माण का संकल्प दिवस बने गुरु पूर्णिमा

भारतीय संस्कृति में यदि किसी संबंध को सर्वाधिक पवित्र और जीवन-निर्माणकारी माना गया है तो वह है गुरु और शिष्य का संबंध। गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार, कर्तव्य और उत्तरदायित्व के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का उत्सव है। यह वह अवसर है जब हम उन गुरुओं को नमन करते हैं जिन्होंने अपने ज्ञान, तप, त्याग और चरित्र से केवल व्यक्तियों का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का निर्माण किया। गुरु को ही ब्रह्मा विष्णु और महेश मानने वाले भारत में महर्षि वेदव्यास की स्मृति में मनाई जाने वाली गुरु पूर्णिमा हमें यह याद दिलाती है कि ज्ञान का प्रकाश ही अज्ञान के अंधकार को समाप्त करता है। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है क्योंकि वही शिष्य को ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग दिखाता है। कबीर ने लिखा-

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय।

केवल एक दोहा मात्र नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन का सार है। प्राचीन भारत के गुरुकुल केवल शिक्षा के केंद्र नहीं थे, वे चरित्र, अनुशासन और राष्ट्रधर्म की प्रयोगशालाएं थे। महर्षि वशिष्ठ, विश्वामित्र, द्रोणाचार्य, सांदीपनि, चाणक्य जैसे गुरुओं ने केवल विद्वान ही नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्तित्व गढ़े जिन्होंने इतिहास की दिशा बदल दी। श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम बनाने में गुरु वशिष्ठ का योगदान था। श्रीकृष्ण ने गुरु सांदीपनि से जीवन का अनुशासन सीखा और चाणक्य ने चंद्रगुप्त मौर्य को तैयार कर भारत के राजनीतिक इतिहास को

नई दिशा दी। इन गुरुओं ने शिक्षा को कभी जीविका का साधन नहीं बनाया, बल्कि लोककल्याण का माध्यम माना। इस देश में प्राचीन काल में गुरु का दायित्व केवल शास्त्र पढ़ाना नहीं था। वह शिष्य के भीतर सत्य, करुणा, परिश्रम, राष्ट्रप्रेम, आत्मसंयम और न्याय जैसे मूल्यों का विकास करता था। शिक्षा का उद्देश्य नौकरी नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाना था। इसी कारण गुरुकुल से निकलने वाला विद्यार्थी समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनता था। लेकिन जैसे-जैसे समय बदला, समाज बदला और शिक्षा की संरचना भी बदल गई। आज गुरुकुलों का स्थान विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने ले लिया है। ज्ञान का विस्तार हुआ है, तकनीक ने शिक्षा को सुलभ बनाया है, लेकिन गुरु-शिष्य संबंधों की आत्मीयता कहीं न कहीं कमजोर हुई है। शिक्षा अब सेवा से अधिक व्यवसाय और प्रतिस्पर्धा का माध्यम बनती जा रही है। अंकों और प्रमाणपत्रों की दौड़ में व्यक्तित्व निर्माण का पक्ष अपेक्षाकृत पीछे छूट गया है। इसमें दो राय नहीं कि आज का शिक्षक अनेक प्रकार के दबावों से घिरा हुआ है। प्रशासनिक कार्य, परीक्षा व्यवस्था, डिजिटल रिपोर्टिंग, अभिभावकों की अपेक्षाएं और बाजारवादी शिक्षा व्यवस्था उसके मूल दायित्व को प्रभावित करती हैं। दूसरी ओर विद्यार्थियों की दुनिया भी मोबाइल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सोशल मीडिया और त्वरित सफलता की संस्कृति से संचालित हो रही है। ऐसे वातावरण में गुरु और शिष्य के बीच संवाद, विश्वास और आत्मीयता का दायरा सिमटता जा रहा है। फिर भी यह सच है कि समाज का भविष्य आज भी कक्षा में ही लिखा जाता है। इसलिए आज के आदर्श गुरु की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उसे केवल विषय विशेषज्ञ नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, प्रेरक, संवेदनशील नागरिक और नैतिक नेतृत्वकर्ता बनना होगा। उसे विद्यार्थियों को केवल परीक्षा की तैयारी नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सामना करना भी सिखाना होगा। यदि शिक्षक समय का सम्मान करता है, सत्यनिष्ठ है, निष्पक्ष है और निरंतर अध्ययनशील है, तो उसके विद्यार्थी स्वतः ही उन गुणों को अपनाने लगते हैं। गुरु पूर्णिमा संदेश देती है

सुख की चाह के लिए तप की साधना ज़रूरी

संकलित
दर्शन

तप संकल्प की प्राप्ति का एकमात्र उपाय है। जिसे सत्य संकल्प द्वारा सुख की चाह है, उसे तप की साधना अवश्य करनी चाहिए। संकल्प के दृढ़ एवं सत्य न होने का सबसे बड़ा कारण तप की कमी होता है। जो व्यक्ति अपने स्थूल और सूक्ष्म शरीर के द्वारा तप नहीं करता, वह अपने संकल्पों को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। तप से हमें अपने मन और तन, दोनों को पक्का बनाना होता है। जैसे मिट्टी का कच्चा घड़ा पानी डालने पर गल जाता है। वह अग्नि में बिना तपे कभी जल नहीं ला सकता। इसी प्रकार जब तक मनुष्य अपने जीवन को तप द्वारा पक्का नहीं बनाता, तब तक वह कभी भी अपने संकल्पों की सिद्धि को धारण नहीं कर सकता। तप से जीवन की समस्त अशुद्धियां दूर होती हैं। अशुद्धियों के दूर होने से शरीर और इंद्रियों को विशेष सिद्धि मिलती। तभी कहा जाता है कि तप से सभी कुछ साध्य है। वेदों में भी तप की महिमा और आवश्यकता का अनेक स्थानों पर वर्णन किया गया है। कल्याण की कामना करने वाले ऋषिगण भी प्रथम तप और दीक्षा का ही अनुष्ठान करते हैं। श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय स्कंध में श्री भगवान ब्रह्मजी से कहते हैं कि 'मैं इस दृश्यमान अखिल प्रपंच को तप द्वारा रचता हूं और पुनः तप द्वारा ही ग्रसित कर लेता हूं। मैं तप द्वारा ही इस विश्व का भरण-पोषण करता हूं और मेरा अत्यंत तेजस्वी पराक्रम तप ही है। तप द्वारा वह तेज और वह शक्ति प्राप्त की जा सकती है, जो किसी भी संकल्प की प्रतिपूर्ति का आधार बनती है।'

भगवान को बिना खिलाए मंदिर से लौटना नहीं

संकलित
प्रेरणा

एक ब्राम्हण था, भगवान श्री कृष्ण के मंदिर में बड़ी सेवा किया करता था। उसकी पत्नी इस बात से हमेशा चिढ़ती थी कि हर बात में वह पहले भगवान को लाता। भोजन हो, वस्त्र हो या हर चीज पहले भगवान को समर्पित करता। एक दिन घर में लड्डू बने। ब्राम्हण ने लड्डू लिए और भोग लगाने चल दिया। पत्नी इससे नाराज हो गई। कहने लगी कोई पत्थर की मूर्ति जिंदा होकर तो खाएगी नहीं जो हर चीज लेकर मंदिर की तरफ दौड़ पड़ते हो। अबकी बार बिना खिलाए न लौटना, देखती हूँ कैसे भगवान खाने आते हैं। बस ब्राम्हण ने भी पत्नी के ताने सुनकर ठान ली कि बिना भगवान को खिलाए आज मंदिर से लौटना नहीं है। मंदिर में जाकर धूनि लगा ली। भगवान के सामने लड्डू रखकर विनती करने लगा। एक घड़ी बीती। आधा दिन बीता, न तो भगवान आए न ब्राम्हण हटा। आसपास देखने वालों की भीड़ लग गई। सभी कौतूहलवश देखने लगे कि आखिर होना क्या है। मक्खियाँ भिनभिनाने लगी ब्राम्हण उन्हें उड़ाता रहा। मीठे की गंध से चींटियां भी लाईन लगाकर चली आईं। ब्राम्हण ने उन्हें भी हटाया, फिर मंदिर के बाहर खड़े आवारा कुत्ते भी ललचाकर आने लगे। ब्राम्हण ने उनको भी खदेड़ा। दिन ढल गया, शाम हो गई। न भगवान आए, न ब्राम्हण उठा। शाम से रात हो गई। धीरे-धीरे सब घर चले गए। ब्राम्हण को भी गुस्सा आ गया, लड्डू उठाकर बाहर फेंक दिए। ब्राम्हण पत्नी के ताने सुनकर सो गया। रात को सपने में भगवान आए। बोले- तेरे लड्डू खाए थे मैंने। बहुत बढिय़ा थे, कितने रूप धरने पड़े तेरे लड्डू खाने के लिए, मक्खी, चींटी, कुत्ता, भिखारी।

कांवड यात्रा

भक्त आरती(दाएं) अपनी सास उषा को कांवड में बैठाकर हरिद्वार से पवित्र गंगा जल लेकर मंगलवार को मेरठ पहुंची।

आज की पाती

आंदोलन, नेतृत्व और लोकतंत्र

लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, संवाद, असहमति और उत्तरदायित्व से भी संचालित होता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलन सामाजिक चेतना का माध्यम होते हैं। वे सत्ता को आईना दिखाते हैं, जनता की पीड़ा को स्वर देते हैं और नीतिगत सुधारों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। किंतु इतिहास यह भी बताता है कि हर आंदोलन स्वत: पवित्र नहीं होता और न ही हर आंदोलन संदेह से परे होता है।यदि किसी आंदोलन के उद्देश्य, नेतृत्व, वित्तीय स्रोत, संगठनात्मक संरचना और कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न उठते हैं, तो उनका उत्तर भी लोकतांत्रिक पारदर्शिता के साथ दिया जाना चाहिए। आंदोलन के विरुद्ध लगाए गए आरोपों का मूल्यांकन प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए।

-शरद काले, रायपुर

करंट अफेयर

श्रीलंका के प्राचीन हिंदू मंदिर में अनुष्ठान की हुई शुरुआत

श्रीलंका के तटीय शहर देविनुवारा स्थित प्राचीन हिंदू मंदिर में मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच सदियों से चले आ रहे धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पूर्व में अंडरवर्ल्ड की धमकी की वजह से इस अनुष्ठान को रद्द कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि उथपालावाना श्री विष्णु मंदिर में एसाला पेरहेरा (धार्मिक जुलूस) के दौरान 'कावड़ी' अनुष्ठान की सुरक्षा के लिए विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के सदस्यों समेत लगभग 1,500 जवानों को तैनात किया गया है।

ऑफ बीट

क्या एआई सुलझा पाएगी प्राचीन भाषाओं की गुत्थी

आज तक जिन भी प्राचीन भाषाओं को पढ़ा और समझा जा सका है, उनके रहस्य सुलझाने के लिए शोधकर्ताओं को किसी न किसी आधार का सहारा

मिला है। आमतौर पर यह आधार कोई द्विभाषी अभिलेख होता है, जैसे रोसेटा स्टोन, या फिर उससे मिलती-जुलती कोई ज्ञात भाषा, जिससे तुलना की जा सके, लेकिन कांस्य युग में यूनान के क्रीट द्वीप पर विकसित मिनोअन सभ्यता की लिपि 'लीनियर ए' के साथ ऐसी कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। 'लीनियर ए' को भाषाविज्ञान में 'असंबद्ध भाषा' माना जाता है, क्योंकि इसका किसी ज्ञात जीवित या विलुप्त भाषा से अबतक कोई प्रमाणित संबंध स्थापित नहीं हो सका है।

ट्रेंड

शर्मिला को बधाई

शर्मिला को महिलाओं के शॉट पुट एफ57 इवेंट में बेहद खास गोल्ड मेडल जीतने और सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने के लिए बधाई। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं।

\- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

दिल्ली लक्ष्मी योजना

'दिल्ली लक्ष्मी योजना' का पोर्टल 1 अगस्त से शुरू होगा। प्रक्रिया पूरी होने पर, रक्षाबंधन के मौके पर महिलाओं को 2,500 की पहली किस्त जारी की जाएगी। यह बहनों के सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के प्रति एक संकल्प है।

\- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

छात्र आतंकवादी नहीं

भाजपा को क्या हो गया है? बिहार में हमारे छात्रों पर ऐके-47 से गोलिया चलाई गई। क्या ये छात्र आतंकवादी है? मै सम्राट मोदी को याद दिलाना चाहता हूँ- लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में बिहार की धरती कभी इस नारे से गूंजी थी-"गद्दी छोड़ दो, क्योंकि जनता आ रही है।"

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

कोरी बयानबाजी

प्रयागराज विरोध प्रदर्शन की आड़ में उत्तर प्रदेश पुलिस की विशेष टीम ने कई छात्रो को बिना नंबर वाली गाड़ी में उठा लिया है। क्या उत्तर प्रदेश पुलिस प्रधानमंत्री के आश्वासनों और वादों को कोरी बयानबाजी साबित करना चाहती है?

\- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

संक्षेप

85 वर्षीय वृद्धा का शव खेत में मिला

रेलवे लाइन से 100 मीटर दूर पड़ा मिला, 10 दिन से मायके में थीं

अमेठी , जायस थाना क्षेत्र में एक 85 वर्षीय वृद्धा का शव खेत में मिला। सोमवार सुबह रेलवे लाइन से लगभग 100 मीटर दूर एक खेत में शव बरामद किया गया।मृतका पिछले 10 दिनों से अपने मायके में रह रही थीं और मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं।यह घटना जायस थाना क्षेत्र के ग्राम पूरे वोलई की है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त की प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।मृतका की पहचान प्रतापगढ़ जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र के गुम्भी आइमा निवासी गया देवी पत्नी प्यारे लाल के रूप में हुई है। उनके भतीजे प्रमोद कुमार पासी पुत्र स्व. रामलखन पासी निवासी आलमपुर ने पुलिस को बताया कि उनकी बुआ लगभग 85 वर्ष की थीं और उनकी दिमागी हालत ठीक नहीं रहती थी। वह 10 दिन पहले अपने मायके आलमपुर आई थीं।थाना प्रभारी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस को सुबह ग्राम पूरे वोलई के उत्तर में आर.जी.पी.टी.आई. के पीछे रेलवे लाइन से लगभग 100 मीटर दूर एक खेत में शव मिलने की सूचना मिली थी।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा भरवाया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।पुलिस के अनुसार, वृद्धा मानसिक रूप से बीमार थीं और संभवतः भटकते हुए खेत तक पहुंच गई होंगी। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

महिला नहर में कूदी, 10 घंटे से लापता

एसडीआरएफ शुरू की तलाश, बच्चों से कहासुनी के बाद घर से निकली थी

अमेठी ,मोहनगंज थाना क्षेत्र में सोमवार को एक महिला ने पारिवारिक विवाद के बाद शारदा सहायक खंड-28 नहर में छलांग लगा दी। महिला की पहचान गुड़िया (38) के रूप में हुई है। गुड़िया, जो भावापुर मजरे अहुरी गांव की निवासी हैं, बच्चों से कहासुनी के बाद नाराज होकर घर से निकली थीं।परिजन उन्हें मनाने के लिए पीछे-पीछे गए, लेकिन पूरे भवन पुल पर पहुंचते ही उन्होंने नहर में छलांग लगा दी।सुबह 11 बजे घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से महिला की तलाश शुरू की और सिंचाई विभाग से नहर का जलस्तर कम कराने का भी प्रयास किया। देर शाम तक कोई सुराग न मिलने पर अयोध्या से एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया।टीम ने भी खोज अभियान शुरू किया, लेकिन अभी तक गुड़िया का पता नहीं चल सका है। गुड़िया के पति बाहर मजदूरी करते हैं और घटना के समय घर पर मौजूद नहीं थे। उनके बेटे आसिब और बेटियां गुलनाज व शबनम मां के नहर में कूदने के बाद से सदमे में हैं और रो-रोकर उनका बुरा हाल है। आसपास की महिलाएं उन्हें ढांढस बंधाने का प्रयास कर रही हैं। थानाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने बताया कि महिला की तलाश जारी है और उनके पति को घटना की सूचना दे दी गई है।

पैरामेडिकल संस्थान के डायरेक्टर पर एफआईआर

छात्रा बोली- फेक वेबसाइट बनाकर डिग्री-मार्कशीट दी, बिना मंजूरी कोर्स बदला

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज ,एक पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर पर एफआईआर दर्ज की गई है। छात्रा का आरोप है कि मेरठ की सुभारती यूनिवर्सिटी के नाम पर बड़ा स्कैम किया गया।मिलती जुलती वेबसाइट बनाकर ढकअळ पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट में एग्जाम कराया गया। साथ ही फेक डिग्री-मार्कशीट भी बांटी गई। बिना मंजूरी कोर्स भी बदल दिया गया।इसमें डायरेक्टर डा. अंसार अहमद के अलावा इंस्टीट्यूट के व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन को आरोपी बनाया गया है। हालांकि प्रारंभिक जांच पड़ताल में कोर्स बदले जाने को छोड़कर अन्य आरोपों की पुष्टि नहीं हो सकी है।

एफिलिएशन का किया था दावा

प्रतापगढ़ के मान्धाता के हरखपुर गांव की रहने वाली आंचल सरोज ने पुलिस को तहरीर दी, 25 नवंबर 2025 को उसने सिविल लाइंस स्थित शकुंतला अस्पताल के पास संचालित पीआईएटी पैरामेडिकल कॉलेज में बीएमएलटी (बैचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी) कोर्स में एडिमशन लिया।तब कॉलेज प्रबंधन ने दावा किया था कि यह संस्थान स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ से संबद्ध है।यह जानकर ही उसने वहां एडमिशन लिया और फीस जमा की।

बिना बताए बदल दिया कोर्स

छात्रा ने बताया, परीक्षा के समय उसका और अन्य विद्यार्थियों की जानकारी व अनुमति के बिना उनका कोर्स बीएमएलटी से बी-वोक एमएलटी में बदल दिया गया। आरोप लगाया कि इसका विरोध किया तो कॉलेज के निदेशक डा. अंसार अहमद ने कहा कि इसी कोर्स की डिग्री मिलेगी, जो करना है कर लो।

मोबाइल पर लिंक भेज ऑनलाइन एग्जाज कराया

पहला सेमेस्टर पूरा होने के बाद छात्र लगातार परीक्षा की जानकारी मांगते रहे।इसके बाद कॉलेज की ओर से एक ऑनलाइन लिंक देकर कहा गया कि सभी स्टूडेंट अपने मोबाइल फोन से लिंक खोलकर ऑनलाइन परीक्षा दें। परीक्षा के करीब एक महीने बाद इसी लिंक के जरिए रिजल्ट भी जारी होगा।

मार्कशीट देखकर हुआ शक

करीब डेढ़ महीने बाद कॉलेज के व्हाट्सएप ग्रुप में रिजल्ट जारी होने का मैसेज भेजा गया। छात्रा का आरोप है कि लिंक से मार्कशीट डाउनलोड की तो उसमें कई गड़बड़ियां दिखाई दीं। इस पर स्टूडेंट्स ने अपने स्तर पर मार्कशीट की जांच शुरू की और स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ से संपर्क करने का प्रयास किया।

यूनिवर्सिटी से बात कराने से इंकार किया

जब छात्रों ने विश्वविद्यालय से कॉलेज की संबद्धता की पुष्टि करने की कोशिश की तो कॉलेज प्रबंधन ने विश्वविद्यालय से बात कराने से इनकार कर दिया।

भारत सरकार लिखी कार से कपल की किडनैपिंग

ऑटो रोककर कार में खींचा, बदमाशों ने बैडटच के बाद 2 आईफोन लूटे

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज,मुंबई से आए शादीशुदा कपल को आधी रात रास्ते से किडनैप कर लिया गया। दोनों ऑटो से जा रहे थे।इसी दौरान कार सवार तीन युवकों ने उन्हें रोककर कार में खींच लिया। रास्ते भर लड़की से बैडटच किया।दो आईफोन भी लूट लिए।लड़के-लड़की के शोर मचाने पर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने करीब 3.5 किमी तक पीछा करने के बाद बदमाशों को पकड़ लिया। उनकी गिरफ्त से कपल को छुड़ाया। घटना मंगलवार भोर में 2 बजकर 40 मिनट की है। तीनों बदमाशों को बुधवार दोपहर 4 बजे जेल भेज दिया गया। पुलिस ने इनके कब्जे से घटना में इस्तेमाल डिजायर कार बरामद की है।आरोपियों ने कार पर भारत सरकार लिखवा रखा था। पुलिस ने करीब 3,5 किमी पीछा करने के बाद बदमाशों को पकड़ा। जिसके बाद शादीशुदा जोड़े को छुड़ाया।

प्रयागराज के बक्शी बाजार खुल्दाबाद का रहने वाला युवक (21) मुंबई की आईटी कंपनी में जॉब करता है।उसने पुलिस को बताया, मैंने एक हफ्ते पहले मुंबई में ही रहकर जॉब करने वाली दोस्त से शादी की थी।27 जुलाई को दोनों फ्लाइट से प्रयागराज आए। रात में प्रयाग स्टेशन के पास अर्बन रेजीडेंसी होटल में कमरा लेकर रुके। रात 1:30 बजे के करीब अचानक पत्नी को तेज खांसी आने लगी।मैं दवा लेने के लिए रेलवे स्टेशन के आसपास गया, लेकिन मेडिकल स्टोर बंद मिले।

पत्नी को लेकर अपोलो फॉमेर्सी जा रहा था

युवक ने पुलिस को बताया- एक ऑटो वाले ने उससे कहा कि अपोलो फामेर्सी पूरी रात खुली रहती है।इसके बाद मैं पत्नी को ऑटो में लेकर अपोलो फामेर्सी जाने लगा। तभी पीछे से एक स्विफ्ट डिजायर कार आई। उस पर आगे की ओर भारत सरकार लिखा हुआ था।कार सवार लोग हमारा पीछा करने लगे।

जर्जर सड़क पर फूटा महिला किसानों का गुस्सा

जिला पंचायत कार्यालय का घेराव, बड़े आंदोलन की चेतावनी

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , जर्जर सड़क को लेकर महिला किसानों ने जिला पंचायत कार्यालय का घेराव किया। जामो स्थित श्री शंकर बूढ़े बाबा धाम जाने वाले मार्ग की बदहाली से नाराज महिलाओं ने नारेबाजी करते हुए अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा और सड़क को जल्द दुरुस्त करने की मांग की। जामो गांधी नगर मार्ग पर उमराडीह गांव में स्थित श्री शंकर बूढ़े बाबा धाम के लिए जाने वाला यह मार्ग पिछले कई महीनों से जर्जर और निमार्णाधीन है।सावन माह में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक करने आते हैं, लेकिन सड़क पर बिखरे बड़े-बड़े पत्थर और निर्माण सामग्री आवागमन में भारी दिक्कत पैदा कर रही है।किसान नेत्री रीता सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लाठी-डंडों के साथ पहुंची महिला किसानों ने जिला पंचायत अध्यक्ष कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की।उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क की खराब हालत के कारण श्रद्धालुओं और किसानों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं ने अधिशासी अधिकारी जिला पंचायत को सौंपे ज्ञापन में मांग की कि सावन शुरू होने से पहले सड़क को तत्काल दुरुस्त किया जाए।

नीलगाय से टकराकर विकास भवन कर्मचारी की मौत

सुलतानपुर में पशुओं के कारण दो दिन में तीन लोगों की गई जान

अमन लेखनी समाचार

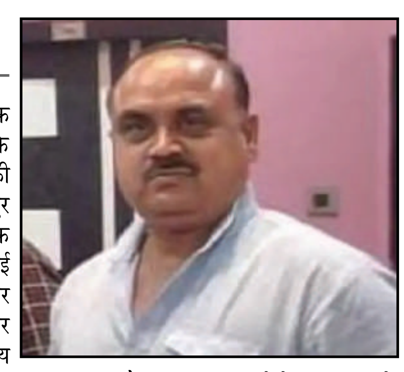

सुल्तानपुर , जिले में शाम एक सड़क हादसे में विकास भवन के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जितेंद्र सिंह की मौत हो गई। कोतवाली नगर पैगापुर के पास उनकी बाइक अचानक सड़क पर आई नीलगाय से टकरा गई थी।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि जितेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जितेंद्र सिंह ग्रामीण अभियंत्रण विभाग में कार्यरत थे।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की।

स्थानीय लोगों का कहना है

हादसे की खबर से विकास भवन के कर्मचारियों और परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर नीलगायों के अचानक सड़क पर आ जाने के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं।उन्होंने प्रशासन से इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। जिले में सड़कों पर जानवरों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं का यह दूसरा मामला है।इससे पहले भी एक अन्य सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई थी। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के नकराही के पास हाइवे पर एक स्कूल बस और बाइक की टक्कर हो गई थी।इस हादसे में बाइक सवार चाचा-भतीजे की मौत हो गई। सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि हाइवे पर चार-पांच आवारा पशु चल रहे थे। बाइक सवारों ने उनसे बचने के लिए जैसे ही बाइक मोड़ी, सामने से आ रही स्कूल बस ने उन्हें टक्कर मार दी।

मृतकों की पहचान

ग्राम भोएं, थाना गोसाईंगंज निवासी दिवस निषाद (भतीजा) और उनके चाचा अर्जुन निषाद पुत्र रतीपाल के रूप में हुई है। वे लोहरामऊ से अपने घर लौट रहे थे। टक्कर मारने वाली बस 'किड्स एजुकेशन वर्ल्ड प्ले एजुकेशन' की थी।

आधी घंटे की बारिश से सुल्तानपुर बेहाल

सड़कों पर डूबे वाहन, घरों में घुसा पानी, स्कूली छात्र जूते हाथ में लेकर गुजरे

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर, शहर में दोपहर लगभग 2 बजे आधे घंटे की तेज बारिश ने कई मोहल्लों को जलमग्न कर दिया। दरियापुर मोहल्ले में नाले की सफाई न होने के कारण सड़कों पर एक से दो फीट तक पानी भर गया, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहन आधे डूब गए। कई घरों में भी पानी घुस गया।शहर के राहुल चौराहे पर भी भारी जलभराव देखा गया, जिससे घंटों तक लोग घरों में फंसे रहे।ईदगाह चौराहा के पास और डिहवा मोहल्ले की गलियों में पानी भरने से स्कूली छात्रों को जूते उतारकर पानी में चलना पड़ा।प्यारे पट्टी रोड पर भी लंबे समय तक जलभराव की स्थिति बनी रही।इस जलभराव की स्थिति ने शहर के बुनियादी ढांचे और जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी है, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा उधर, भदैया ब्लॉक क्षेत्र में भी बारिश दर्ज की गई। हनुमानगंज और दोमुहा बाजारों में जलभराव देखा गया, जबकि लोलेपुर उपकेंद्र पर जोरदार बारिश के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। 34 से 36 डिग्री सेल्सियसबारिश के बाद निकली धूप से शहर और आसपास के इलाकों में उमस भरी गर्मी बढ़ गई।मौसम विभाग के अनुसार, दोपहर में तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा और 0.5 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। विभाग ने शाम 6 बजे से रात 12 बजे तक तापमान 31 से 34 डिग्री सेल्सियस और 0.9 मिलीमीटर वर्षा की संभावना जताई है।

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट

प्रमुख शिवालयों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम; ड्रोन से होगी निगरानी

अमन लेखनी समाचार

अमेठी ,सावन माह की कांवड़ यात्रा को लेकर अमेठी जिला प्रशासन और पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिले के प्रमुख शिवालयों–तपेश्वर नाथ धाम पीढ़ी, अहोरवा भवानी धाम और दंडेश्वर धाम–में जलाभिषेक के लिए आने वाले हजारों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी संजय चौहान और पुलिस अधीक्षक सरवणन टी स्वयं मंदिरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं।जिलाधिकारी संजय चौहान ने बताया कि कांवड़ यात्रा शुरू होने से करीब एक सप्ताह पहले ही सभी एसडीएम और सीओ को यात्रा मार्गों का स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए थे। अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा सड़क मरम्मत का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। सभी प्रमुख मार्गों को गड्ढामुक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो।

सीसीटीवी और महिलाओं के लिए विशेष व्यवस्था

प्रशासन की ओर से तीनों प्रमुख मंदिरों में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया जा रहा है। सड़क किनारे उगी झाड़ियों की कटाई कराई जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त शौचालय, महिलाओं के लिए अलग चेंजिंग रूम और बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।साथ ही मंदिर परिसरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का भी निर्णय लिया गया है, ताकि सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा सके।

जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर चलाने की मांग तेज

हिंदूवादी नेता अशोक पांडे ने योगी सरकार की कार्रवाई का किया समर्थन

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ , हिंदूवादी नेता अशोक कुमार पांडे ने मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े विवाद पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्रवाई का समर्थन किया है।उन्होंने कहा कि यदि जांच में अवैध संपत्तियां सामने आती हैं, तो उन पर बुलडोजर चलाया जाना चाहिए।पांडे ने प्रदेश में कानून का राज स्थापित करने और अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के योगी सरकार के संदेश को महत्वपूर्ण बताया।

अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर की मांग

मीडिया से बातचीत में अशोक कुमार पांडे ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी प्रकरण को हिंदू-मुस्लिम रंग नहीं दिया जाना चाहिए।उन्होंने जोर दिया कि यदि किसी व्यक्ति या संस्था ने नियमों के विपरीत संपत्ति अर्जित की है, तो उस पर कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। पांडे ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अवैध संपत्तियों को सरकारी नियंत्रण में लेने और अवैध निमार्णों के खिलाफ अभियान चलाने की नीति का उल्लेख किया।

कानून सबके लिए समान

पांडे ने आगे कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी मामले में भी यदि जांच एजेंसियों और प्रशासनिक स्तर पर अवैध संपत्ति या अनियमितताएं साबित होती हैं, तो सरकार को आवश्यक कदम उठाने चाहिए।उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून सबके लिए समान होना चाहिए और किसी भी व्यक्ति को उसकी राजनीतिक पहचान या सामाजिक हैसियत के आधार पर छुट नहीं मिलनी चाहिए।

जौहर यूनिवर्सिटी विवाद को सांप्रदायिक रंग न दें

उन्होंने यह भी कहा कि इस पूरे मामले को सांप्रदायिक नजरिए से देखने की आवश्यकता नहीं है। उनके अनुसार, जिन लोगों की जमीन या संपत्तियों को लेकर विवाद सामने आए हैं, उनमें मुस्लिम पक्ष भी शामिल है। इसलिए इसे हिंदू बनाम मुस्लिम की बहस बनाने के बजाय कानूनी और न्यायिक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।

निष्पक्ष जांच और प्रभावी कदम जरूरी

अशोक कुमार पांडे ने दावा किया कि प्रदेश सरकार की कार्रवाई से अवैध कब्जों और नियम विरुद्ध अर्जित संपत्तियों के खिलाफ सख्त संदेश जाएगा।

उन्होंने कहा कि न्यायसंगत कार्रवाई ही लोकतंत्र और कानून व्यवस्था की मजबूती का आधार है और जौहर यूनिवर्सिटी प्रकरण में प्रशासन को निष्पक्ष तथा प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

हिंदू संगठन और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की

कांवड़ मार्ग की बदहाल सड़कों को लेकर हिंदू युवा संगठन का पैदल मार्च, आश्वासन के बाद शांत हुआ मामला

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर ,पुवायां में कांवड़ यात्रा मार्ग की जर्जर सड़कों की मरम्मत और सड़कों पर घूम रहे गौवंश को हटाने की मांग। बुधवार को हिंदू युवा संगठन के पदाधिकारियों ने पैदल मार्च निकाला। जिला मुख्यालय की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रास्ते में रोक लिया, जिससे दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। बाद में पुलिस के आश्वासन के बाद मामला शांत हो गया।हिंदू युवा संगठन के पदाधिकारियों ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश मिश्र के नेतृत्व में पुवायां में एकत्र हुए। अपनी मांगों को लेकर जिला मुख्यालय की ओर पैदल मार्च शुरू किया।संगठन का कहना था कि शाहजहांपुर से नियामतपुर मोड़ और बड़ागांव से पुवायां तक की सड़कें गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। सावन के दौरान इन्हीं मार्गों से बड़ी संख्या में कांवड़िए गुजरते हैं।ऐसे में सड़क की खराब स्थिति के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने तत्काल गड्ढे भरवाकर सड़क दुरुस्त कराने की मांग की।पदाधिकारियों ने सड़कों पर खुले घूम रहे गौवंश को भी कांवड़ यात्रियों के लिए खतरा बताया। उनका कहना था कि रात के समय सड़क पर बैठे या घूम रहे गौवंश आसानी से दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।संगठन ने प्रशासन से सभी गौवंश को पकड़कर गौशालाओं में भेजने की मांग की। उनका कहना था कि इस संबंध में पहले भी कई बार अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई मांगों को लेकर संगठन के कार्यकर्ता जिला मुख्यालय की ओर पैदल मार्च कर रहे थे।इसी दौरान पुवायां पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोक लिया।प्रदर्शनकारियों ने अपनी समस्याएं पुलिस अधिकारियों के सामने रखीं, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर आगे बढ़ने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और संगठन के पदाधिकारियों के बीच धक्का-मुक्की हो गई, जिससे कुछ देर के लिए मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। बाद में पुलिस अधिकारियों ने संगठन के प्रतिनिधियों से वार्ता कर उनकी मांगों को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने और जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया।इसके बाद प्रदर्शनकारी शांत हो गए और मामला समाप्त हो गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटककर युवक की मौत

कमरा बंद होने पर परिजनों को हुआ शक; जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ ,महेशगंज थाना क्षेत्र के झींगुर कोट गांव में एक 20 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटककर मौत हो गई।इस घटना से परिवार में मातम छा गया। झींगुर कोट निवासी सुरेंद्र कुमार द्विवेदी के पुत्र रौनक द्विवेदी (20) शाम करीब 7 बजे अपने घर के अंदर फंदे से लटके मिले।परिजनों को तब संदेह हुआ जब रौनक के कमरे का दरवाजा काफी देर तक बंद रहा। आवाज देने पर कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर उन्होंने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया।परिजनों ने तत्काल रौनक को फंदे से उतारा और एंबुलेंस की सहायता से सीएचसी कुंडा ले गए। हालांकि, वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर महेशगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंगलवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचने पर परिजनों ने श्रृंग्वेरपुर गंगा घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया।बताया गया कि रौनक की मां का निधन लगभग 15 वर्ष पूर्व हो चुका था। वह दो भाइयों में छोटे थे, जबकि उनके बड़े भाई विकास दिल्ली में पढ़ाई करते हैं।इस घटना से पिता सुरेंद्र कुमार द्विवेदी और अन्य परिजनों का दुखद स्थिति है। महेशगंज थाना प्रभारी संदीप कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इस मामले में अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

धान रोपाई कर रही युवती पर लाठी-डंडों से हमला

महिलाओं और युवकों ने पीटा, पुलिस ने मेडिकल कराया

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , पट्टी कोतवाली क्षेत्र के कुंदनपुर गांव में धान की रोपाई कर रही एक युवती पर लाठी-डंडों से हमला किया गया। इस घटना में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मारपीट का यह वीडियो मंगलवार को वायरल हो गया, हालांकि यह घटना सोमवार की बताई जा रही है।कुंदनपुर गांव निवासी 25 वर्षीय सपना सरोज पुत्री कमलेश सरोज शाम करीब 5:30 बजे अपने खेत में धान की रोपाई कर रही थीं। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस की कुछ महिलाएं लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचीं और उनके साथ मारपीट करने लगीं।कुछ देर बाद दो युवक भी वहां पहुंचे और युवती की पिटाई की। युवती को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गयायुवती को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।घायल सपना सरोज को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। घटना का किसी व्यक्ति ने वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पट्टी थाना प्रभारी आनंद पाल सिंह ने ने बताया कि घायल युवती का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है।प्राप्त तहरीर और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी है। उसे रोहित से बात करने में दिक्कत होती थी। जब भी बात करो, तो बेटा रोने लगता था। 28 जून को भी मैं रोहित से बात कर रही थी। बेटा डिस्टर्ब कर रहा था। गुस्से में आकर मैंने उसका गला दबा दिया।इसके बाद पति को फोन किया।

संक्षेप

बरसात में खेकड़ा कस्बे की सड़क बनी तालाब

सड़कों पर 3 फीट पानी भरा, 100 मीटर बही कार

बागपत ,खेकड़ा कस्बे में मूसलाधार बारिश के बाद सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं। रास्तों पर तीन फीट से अधिक पानी भर गया, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जलभराव के कारण सड़क किनारे खड़ी एक स्विफ्ट कार करीब 100 मीटर तक बह गई। स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद कार को सुरक्षित निकाला। एक वीडियो में ट्रैक्टर-ट्रॉली भी आधे से अधिक डूबी हुई दिखाई दे रही है, और कई दुकानों में भी पानी घुस गया। बारिश के चलते स्थानीय लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। जलभराव में कई वाहन चालक गिरकर घायल हो गए। जलभराव का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें तेज बहाव के कारण वाहन चालक मुश्किलों में दिख रहे हैं। खेकड़ा कस्बे की सड़कों का बारिश में तालाब में बदलना एक समस्या बन गई है।

शिक्षकों का 21 सूत्रीय मांगों पर प्रदर्शन

मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर पुरानी पेंशन बहाली की मांग

बागपत ,उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई गुट) ने सोमवार को बागपत में 21 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें जिले के सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों से बड़ी संख्या में शिक्षक और शिक्षिकाएं शामिल हुए। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन अधिकारियों को सौंपा गया। ज्ञापन में शिक्षकों ने प्रमुख मांगों के रूप में सभी सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों का राजकीयकरण करने की मांग की। इसके साथ ही, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था की बहाली भी एक अहम मुद्दा था। अन्य मांगों में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन बोर्ड अधिनियम 1982 की धारा 12, 18 और 21 को पुनः लागू करना शामिल था। शिक्षकों ने ऑनलाइन स्थानांतरण व्यवस्था शुरू करने तथा विभागीय कार्यालयों में भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए ई-फाइलिंग प्रणाली लागू करने की भी मांग उठाई। धरने को संबोधित करते हुए संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील चौधरी ने कहा कि प्रदेश का शिक्षक अब अपने अधिकारों के प्रति जागरूक है और शिक्षक विरोधी नीतियों को स्वीकार नहीं करेगा। जिला अध्यक्ष प्रमोद प्रकाश शर्मा ने चेतावनी दी कि यदि शिक्षकों का शोषण किया गया तो संगठन उसका मजबूती से विरोध करेगा। जिला मंत्री शिवकरण चौरसिया ने कहा कि शिक्षक अपनी मांगों को पूरा कराने के लिए हर स्तर तक संघर्ष करने को तैयार हैं। वहीं, कार्यकारी जिला मंत्री प्रदीप शर्मा ने सरकार से शिक्षकों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील करते हुए कहा कि यदि मांगों की अनदेखी हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरने की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रमोद प्रकाश शर्मा ने की, जबकि संचालन जिला मंत्री शिवकरण चौरसिया ने किया। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

श्रावण मास के प्रथम दिवस हर हर बम बम से गूंज उठे शिवालय

जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक के साथ पहुंचकर किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। श्रावण मास के प्रारंभ होते ही जनपद के सभी ऐतिहासिक शिव मंदिरों में प्रथम दिवस से भक्तों का भारी जन सैलाब पूजा अर्चना हेतु उमड़ पड़ा धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए जनपद की जिलाधिकारी निधी गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने जनपद के हुसैनगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित भृगु धाम भिठौरा सदर क्षेत्र में स्थापित श्री ताम्बेश्वर महादेव मंदिर इत्यादि स्थानों पर पहुंचकर श्रद्धालुओं के आवागमन कावड़ यात्रियों की सुरक्षा इत्यादि की जानकारी प्रबंध समिति से ली वहीं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने भिटौरा के ओमघाट क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जगह-जगह पुलिस प्रशासन तैनात किया भीड़ प्रबंधन के लिए बैरिकेडिंग पार्किंग व्यवस्था रात्रि प्रकाश व्यवस्था तथा सीसीटीवी कैमरे इत्यादि को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए उच्च अधिकारियों ने विभागीय टीम तथा प्रबंध समिति को निर्देशित किया वही जनपद की जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक ने सभी श्रद्धालु भक्तजनों को शांतिपूर्वक पूजा अर्चना करने के लिए अपील की

जनपद के कोने-कोने में गूंजा ओम नमः शिवाय

इसी प्रकार जनपद के अनेक क्षेत्र जैसे चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गूढेश्वर अखंड धाम जोनिहा क्षेत्र के थवई गांव में स्थापित थवईश्वर महादेव गहरु खेड़ा में स्थापित भर्थहरी नाथ जाफरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत अर्गल में स्थापित अरगलेश्वर महादेव जहानाबाद में स्थापित बाबा बैजनाथ धाम इत्यादि सभी ऐतिहासिक स्थलों पर भी श्रावण मास के प्रथम दिवस भारी जन सैलाब में पहुंचकर भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया सभी ऐतिहासिक स्थलों पर एक माह तक निरंतर चलने वाले मेले का भी शुभारंभ हुआ जहां मेले अंतर्गत दुकानदार अपनी दुकान लेकर पहुंचे तथा दुकान सजाना प्रारंभ किया वही सभी जगह स्थानीय पुलिस बल ने सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टिकोण से जगह-जगह मुस्तैदी दिखाई।

छात्रा की खोजबीन में लगी कई टीमें खंगाले गए सीसीटीवी फुटेज

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। विगत दिवस जनपद के किशनपुर थाना क्षेत्र कस्बे में स्थापित सर्वोदय इंटर कॉलेज की एक छात्रा धरना प्रदर्शन के पश्चात शाम समय अपने घर नहीं पहुंची जहां काफी खोजबीन के पश्चात परिजनों ने थाना किशनपुर पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराई थाना प्रभारी मनीष कुमार ने मुकदमा पंजीकृत करते हुए खोजबीन प्रारंभ की वहीं छात्रा की खोजबीन के लिए कई टीमें गठित की गई पुलिस प्रशासन ने कस्बे में जगह-जगह लगे सीसीटीवी कैमरा का निरीक्षण किया जहां कस्बे की एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में छात्रा दिखाई दी प्रशासन ने देखा कि सीसीटीवी फुटेज में छात्रा एक नारंगी कलर की पॉलिथीन हाथ में लिए पैदल जा रही है वही उसके पास ना तो साइकिल है और ना ही स्कूल बैग जबकि परिजनों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार छात्रा विद्यालय अपनी साइकिल से बस्ता सहित गई थी पुलिस प्रशासन अपनी खोजबीन में निरंतर लगी हुई है जहां कुछ साक्ष्य तथा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अनेक स्थानों पर दबिस दी गई देर शाम खबर लिखते समय तक छात्रा का कोई सुराग नहीं मिला वहीं थाना प्रभारी मनीष कुमार ने कहा की छात्रा की खोजबीन के लिए प्रशासन कड़ी मेहनत के साथ प्रयासरत है

खजाने की खोज में खोद डाला मजार के नीचे गड्ढा

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के किशनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव शिटकिटिहापुर मजरे ग्राम पंचायत सिलमी के जंगल में स्थित एक मजार के नीचे अज्ञात लोगों ने लगभग 5 फीट नीचे खुदाई कर डाली मिली जानकारी के अनुसार गांव के समीप एक खोजकरन बाबा नाम की मजार है जहां खजाने की खोज करते हुए अज्ञात लोगों ने मजार के नीचे गहरा गड्ढा कर दिया कल गुरुवार को मौके की स्थिति देखते हुए मजार में सेवा प्रदान कर रहे मौलवी सफीक अहमद ने यह सूचना पुलिस प्रशासन को दी मौके पर पहुंचे किशनपुर थाना प्रभारी मनीष कुमार तथा विजयीपुर चौकी प्रभारी कमलेंद्र प्रताप सिंह ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया वहीं किए गए गड्ढे में मिट्टी डलवाकर समतल करने का दिशा निर्देश दिया जानकारी लेने पर मौलवी ने बताया कि मजार में प्रत्येक गुरुवार को मेला लगता है तथा गांव क्षेत्र के हिंदू मुस्लिम श्रद्धालु लोग मजार में मलीदा चढ़ाते हैं गांव की एक आस्था का स्थान मजार माना जाता है निरीक्षण पर पहुंचे थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने मौके पर जाकर संपूर्ण जांच की है जहां उनके साथ चौकी प्रभारी कमलेद्र प्रताप तथा संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे ।

शिक्षकों का निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन

सरकार की नीतियों का विद्रोह, 21 सूत्रीय मांग पत्र प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई) ने मेरठ के जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष राजवीर सिंह राठी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में जनपद के शिक्षक भारी संख्या में शामिल हुए और जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाईं। यह प्रदर्शन प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर किया गया था, जिसमें मूसलाधार बारिश के बावजूद शिक्षकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। धरने को प्रदेश अध्यक्ष डॉ उमेश त्यागी, प्रांतीय मंत्री अरुण पाल आत्रेय, प्रांतीय संरक्षण मंत्री डी एन यादव, मण्डलीय मंत्री विजेंद्र ध्यानी, प्रभारी जिला अध्यक्ष डॉ अरुणपाल मलिक, जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह राठी, शिक्षिका सीमा यादव और रेणु रमन सहित कई प्रमुख पदाधिकारियों ने संबोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष डॉ उमेश त्यागी ने अपने संबोधन में सरकार पर शिक्षा के लगातार निजीकरण, बाजारीकरण

और व्यापारीकरण का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थाओं को सुनियोजित तरीके से नष्ट किया जा रहा है, जिससे शिक्षकों की सेवा सुरक्षा के कानूनी प्रावधानों में बदलाव आया है। डॉ. त्यागी ने बताया कि इन परिवर्तनों के कारण प्रदेश भर में शिक्षकों के निलंबन और बर्खास्तगी की दर में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। उनके अनुसार, सैकड़ों शिक्षक आज सड़कों पर हैं और उनके परिवार भुखमरी के कगार पर हैं। उन्होंने शिक्षकों को वेतन वितरण अधिनियम पर सरकार की संभावित कार्रवाई को लेकर सावधान रहने और एकजुट होकर सामूहिक संघर्ष करने का आह्वान किया। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि सरकार शिक्षकों की 21 सूत्रीय मांगों पर तत्काल कार्रवाई नहीं करती है, तो आगामी महीनों में प्रदेशव्यापी आंदोलन का निर्णय लिया जाएगा। धरने के अंत में, मुख्यमंत्री को संबोधित 21 सूत्रीय मांग पत्र जिला विद्यालय निरीक्षक, मेरठ, श्री जगदीश प्रसाद शुक्ल को सौंपा गया।

मेडिकल इंश्योरेंस क्लेम का फर्जीवाड़ा

डॉक्टरों के फर्जी लेटर पैड और मोहर से हो रहे थे इंश्योरेंस क्लेम, आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,मेडिकल इंश्योरेंस क्लेम के नाम पर बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। कोतवाली पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो डॉक्टरों के नाम से फर्जी दस्तावेज तैयार कर क्लेम पास कराता था। आरोपी के पास से कई अस्पतालों के फर्जी लेटर पैड, डॉक्टरों की मोहरें, नकली हस्ताक्षर वाले ओपीडी पर्चे और भुगतान से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है। मामले का खुलासा वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जगदीप सिंहल की शिकायत के बाद हुआ। आरोप है कि उनके नाम और फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर मेडिकल इंश्योरेंस क्लेम हासिल किए जा रहे थे।

इंश्योरेंस कंपनी के फोन से खुला पूरा मामला

24 मार्च 2026 को एक निजी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी की प्रतिनिधि ने डॉ. जगदीप सिंहल को फोन किया। उसने व्हाट्सएप पर मेडिकल क्लेम से जुड़े कुछ दस्तावेज भेजे, जिनमें डॉक्टर के नाम की ओपीडी पर्ची और फीस की रसीद शामिल थी। दस्तावेज देखकर डॉ. सिंहल हैरान रह गए। उन्होंने बताया कि वह कभी उस अस्पताल में गए ही नहीं और न ही वहां किसी मरीज का इलाज किया। इसके बाद उन्होंने एसएसपी से शिकायत की, जिस पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

छापे में मिले फर्जी लेटर पैड और मोहरें

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी डॉ. दीपक गुप्ता पुत्र स्वर्गीय प्रेम सागर को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से कई अस्पतालों के लेटर पैड, बड़ी संख्या में फर्जी ओपीडी पर्चियां, सात डॉक्टरों की मोहरें, दो अस्पतालों की मोहरें और पेमेंट से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए।पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में पता चला है कि आरोपी फर्जी दस्तावेज बनाकर मेडिकल इंश्योरेंस क्लेम कराने का काम करता था।

सीजेपी आंदोलन के फूड वॉलंटियर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

गाजियाबाद व मेरठ पुलिस पर हिरासत में लेकर धमकाने का है आरोप

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद ,सीजेपी छात्र आंदोलन के फूड वॉलंटियर जुनैद मलिक सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। जुनैद मलिक ने गाजियाबाद पुलिस पर हिरासत में लेकर धमकाने और देहरादून रोड पर छोड़ने का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि गाजियाबाद पुलिस ने पिता को हिरासत में लिया, और घर पर भी छापेमारी की। जुनैद गाजियाबाद के मसूरी क्षेत्र के रहने वाले है। उन्होंने कथित तौर पर पुलिस कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है।

जंतर मंतर पर पहुंचे थे जुनैद

गाजियाबाद के रहने वाले वाले जुनैद ने एक वीडियो इंटरव्यू में कहा- कि मैं जंतर मंतर पर धरने पर पहुंचा था। वहां मुझे कुत्ते ने काट लिया था। मैं एक साथी को लेकर आरएमएल अस्पताल पहुंचा। 12 बजकर 10 मिनट पर हम निकले। एक ऑटो किया। 50 मीटर की दूरी पर एक गाड़ी हमारे आगे लगा दी। कहा कि घबराइये मत। आगे कहा कि हम दिल्ली पुलिस से है। इसके बाद कहा कि घबराइए मत हम मारेंगे पीटेंगे नहीं। इसके बाद आंखों पर पट्टी बांध दी। हमें देहरादून रोड पर ले गए। उसके बाद एक साहब आए और मुझसे बात की। उन्होंने बहुत सवाल किए कि कोई फंडिंग तो नहीं आ रही। इतना खाना कहां से बांटते हो। इसके बाद हम हमें गाड़ी में बैठाया। जहां पर उतारा गया तो हम देख नहीं पाए। हमने पूछा कि यह कौन सी जगह है मैने कहा कि यह कौन

सी जगह है, मुझे बताया कि यह उत्तराखंड में मसूरी है। जिसके बाद मैं वापस आया। जुनैद ने कहा कि मैं प्रदर्शन करने वालों के लिए खाना बांटता था, जहां मेरठ पुलिस ने जुनैद की बहन के परिवार को भी हिरासत में लिया था।

मेरठ में बहन की ससुराल

जुनैद की बहन की मेरठ में ससुराल है। जिसमें कहा ग्या कि जुनैद को जहां दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लेकर उत्तराखंड छोड़ा। उसके बाद गाजियाबाद पुलिस ने जुनैद के घर पर दबिश दी। परिवार को डराकर उनके पिता को भी अवैध तरह से हिरासत में लिया। जबकि मेरठ पुलिस ने जुनैद की बहन के परिवार को हिरासत में लिया था। जुनैद की बहन की मेरठ में ससुराल है।

बिजली शिकायतों में लापरवाही नहीं चलेगी:ऊर्जा मंत्री

14 जिलों की समीक्षा बैठक की, केंद्रीय रेटिंग बेहतर होने पर सराहा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,ऊर्जा राज्य मंत्री कैलाश सिंह राजपूत ने मेरठ में पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम (पीवीवीएनएल) के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर उपभोक्ता को बेहतर और बिना बाधा बिजली मिलनी चाहिए। मंत्री ने शिकायतों के समय पर निस्तारण पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। हर शिकायत की नियमित निगरानी कर तय समय में उसका समाधान किया जाए। समीक्षा बैठक में बिजली आपूर्ति, राजस्व, स्मार्ट मीटर, डिजिटल सेवाओं और उपभोक्ता सुविधाओं की भी समीक्षा हुई। इस दौरान अधिकारियों को पारदर्शी व्यवस्था और उपभोक्ता संतुष्टि को सबसे बड़ी प्राथमिकता बनाने के निर्देश दिए गए। पीवीवीएनएल एमडी ने प्रस्तुत की रिपोर्ट पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटे के प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता ने बताया कि निगम ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की 14वीं

इंटीग्रेटेड रेटिंग में उल्लेखनीय सुधार करते हुए बी ग्रेड से ए+ ग्रेड हासिल किया है। उन्होंने इसे वित्तीय अनुशासन, परिचालन दक्षता और उपभोक्ता सेवाओं में सुधार के लिए किए गए प्रयासों का परिणाम बताया। एमडी रवीश गुप्ता ने बताया कि निगम लगातार डिजिटल सेवाओं का विस्तार कर रहा है। नए बिजली कनेक्शन, भार परिवर्तन, श्रेणी परिवर्तन आधारित बिल निर्माण, ऑनलाइन भुगतान और उपभोग संबंधी सुविधाएं अब डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

शिकायतों का त्वरित हो रहा निस्तारण

एमडी ने बताया कि 1912 कॉल सेंटर, ऑनलाइन पोर्टल, व्हाट्सएप, सोशल मीडिया और जनसुनवाई के माध्यम से उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। कंज्यूमर ग्रीवेंस रिड्रेसल फोरम (सीजीआरएफ) के माध्यम से बहुस्तरीय शिकायत निवारण व्यवस्था संचालित है और शिकायतों की गुणवत्ता व समयबद्ध निस्तारण की नियमित निगरानी की जा रही है।

ठीक समय पर मिले उपभोक्ताओं को सूचना

ऊर्जा राज्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विद्युत आपूर्ति से संबंधित शिकायतों के लिए बनाए गए उपभोक्ता समूहों में वास्तविक समय पर बिजली व्यवधान की जानकारी साझा की जाए। साथ ही उपभोक्ताओं को उनके प्रश्नों का तथ्यात्मक, पारदर्शी और संतोषजनक उत्तर दिया जाए, जिससे विभाग के प्रति उनका विश्वास और मजबूत हो। विद्युत दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक घटना की गहन जांच कराने, जिम्मेदारी तय करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी एवं स्थायी कदम उठाने के निर्देश भी दिए। मंत्री ने कहा कि उपभोक्ता संतुष्टि ही विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली का सबसे बड़ा पैमाना है और सभी अधिकारियों को इसी लक्ष्य के साथ कार्य करना होगा।

उबर ड्राइवर से लूट करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

नोएडा में पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहे थे, दोनों के पैर में लगी गोली

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर ,ग्रेटर नोएडा में उबर कैब चालक से लूट करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ को थाना ईकोटेक-1 थाना पुलिस ने अंजाम दिया। जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में गोली लगी। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, रात करीब 10:30 बजे यमुना पुस्ता स्थित एएमआर के पीछे चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध कार को रोकने का इशारा किया गया। कार सवार बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी और भागने लगे। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश घायल हो गए और उन्हें मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रमन शर्मा (22) और अभिषेक सिंह (19) के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से मध्य प्रदेश के भिंड जिले के रहने वाले हैं। रमन फिलहाल दिल्ली के करावल नगर और अभिषेक हरियाणा के गुरुग्राम के भौंडसी में रह रहा था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई स्विफ्ट डिजायर कार, एक लूटा हुआ मोबाइल, वारदात में इस्तेमाल दो मोबाइल, दो तमंचे, दो जिंदा कारतूस और चार खोखा कारतूस बरामद किए हैं।जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों ने उबर ऐप के जरिए दिल्ली से दनकौर जाने के लिए कैब बुक की थी।

नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी करने वाले 6 गिरफ्तार

नोएडा में 1500 रुपए लेते थे प्रोसेसिंग फीस, 500 युवाओं को फंसाया

अमन लेखनी समाचार

नोएडा ,बेरोजगार युवाओं को नामी कंपनियों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले छह लोगों को रात को गिरफ्तार किया। इनमे से चार युवतियां और दो युवक है। ये करीब डेढ़ साल से बेरोजगार युवको के साथ ठगी कर रहे थे। अब तक करीब 500 लोगों से ठगी कर चुके है। इनके सिस्टम से डेटा बरामद किया जा रहा है। एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया ये कॉल सेंटर सेक्टर-27 के अट्टा मार्केट की एक इतारत में चलाया जा रहा था। ये लोग प्रत्येक बेरोजगार से प्रोसेसिंग फीस के नाम पर 1300 से 1500 रुपए लेते है। इनके पास से तीन मोबाइल फोन, 11 फीस बुक, चार रसीद बुक, 22 प्रचार-प्रसार पंपलेट और 20 भरे हुए भर्ती फार्म बरामद किए गए। इनके नाम स्वेता सिंह निवासी उन्नाव, नीजू यादव निवासी सेक्टर-22, पूजा निवासी अशोक नगर, कीर्ति सिंह निवासी न्यू अशोक नगर, रुपेश कुमार निवासी चौड़ा गांव, आमीर राण निवासी हापुड़ है।

बाजार में चिपकाते पंपलेट

पूछताछ में पता चला है कि आरोपी सोशल मीडिया और बाजारों में पंपलेट चिपकाकर अपना प्रचार करते है। इसके बाद इंटरव्यू और रजिस्ट्रेशन की औपचारिकता पूरी कराने के बाद प्रत्येक उम्मीदवार से 1500 रुपये प्रोसेसिंग फीस ली जाती थी। रुपये लेने के बाद या तो संपर्क तोड़ दिया जाता था या फिर फर्जी बहाने बनाकर युवाओं को टाल दिया जाता था।पुलिस अब आरोपियों के मोबाइल फोन और मोबाइल नंबरों की राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर जांच करा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने जेई को बर्खास्त किया

सुपरवाइजर की सेवा खत्म, कार्यदायी फर्म पर जुर्माना; सड़कें तालाब बनी थीं

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , ग्राम बरौला में लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या और बारिश के दौरान हालात बिगड़ने पर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कृष्णा करुणेश ने कड़ा रुख अपनाया है। जल निकासी व्यवस्था में लापरवाही और विकास कार्यों में शिथिलता को गंभीर मानते हुए उन्होंने तत्काल दंडात्मक कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

इन पर लिया एक्शन

सीईओ के निर्देश पर ड्यूटी में घोर लापरवाही बरतने के आरोप में जूनियर इंजीनियर (जेई) पार्थ राठौड़ और सुपरवाइजर मांगेराम

की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई हैं। वहीं, जलभराव की स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण नहीं रख पाने के कारण सिविल प्रबंधक करण सिंह त्यागी और जल/सीवर प्रबंधक रमेन्द्र को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है।

सभी वर्क सर्किल को अंतिम चेतावनी

सीईओ कृष्णा करुणेश ने सभी वर्क सर्किल के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी तरह की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में किसी भी क्षेत्र में जलभराव या अन्य मूलभूत समस्याओं के समाधान में ढिलाई मिली तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ इससे भी अधिक कठोर कार्रवाई की जाएगी।

अनपरा पुलिस द्वारा साइबर ठगी के पीड़ित को मिली राहत

व्हाट्सएप पर सस्ते दाम में ढँङ्गल्ली दिलाने का झांसा देकर की गई 17,788 की साइबर ठगी की सम्पूर्ण धनराशि कराई गई वापस।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना अनपरा प्रणय प्रसून श्रीवास्तव के नेतृत्व में थाना अनपरा की साइबर हेल्प डेस्क को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। वादी हसीब हुसैन पुत्र नियामत हुसैन, निवासी परासी, के साथ दिनांक 11.08.2025 को अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा व्हाट्सएप के माध्यम से कम कीमत में ढँङ्गल्ली उपलब्ध कराने का झांसा देकर उसके बैंक खाते से 17,788/- की धनराशि साइबर फ्रॉड के माध्यम से निकाल ली गई थी। घटना के उपरांत पीड़ित द्वारा राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई।प्रकरण की जांच के दौरान थाना अनपरा की साइबर टीम ने तकनीकी विश्लेषण करते हुए संदिग्ध वित्तीय लेन-देन का सफलतापूर्वक ट्रेस किया तथा संबंधित बैंक एवं नोडल अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक पत्राचार किया। तत्पश्चात धनराशि को समय रहते होल्ड/फ्रीज कराकर नियमानुसार रिवर्सल की कार्रवाई कराई गई। साइबर टीम के सतत एवं प्रभावी प्रयासों के फलस्वरूप पीड़ित की फ्रॉड हुई सम्पूर्ण धनराशि 17,788/- सफलतापूर्वक उसके मूल बैंक खाते में वापस कराई गई। अपनी धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित ने सोनभद्र पुलिस एवं थाना अनपरा की साइबर टीम का आभार व्यक्त करते हुए उनके कार्य की सराहना की।

अवैध बालू खनन पर गरौठा पुलिस की कार्रवाई, दो ट्रैक्टर-ट्रॉली सीज

अमन लेखनी समाचार/हेमन्त यादव

गरौठा (झांसी)।अवैध खनन के खिलाफ गरौठा पुलिस की मुहिम लगातार जारी है।गुरुवार सुबह पुलिस ने अवैध बालू खनन में लिप्त दो ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़कर सीज कर दिए। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुरजीत सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि अलग-अलग स्थानों पर ट्रैक्टर-ट्रॉली से अवैध रूप से बालू का खनन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जसवंतपुरा घाट से एक आयशर 333 ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा बंगरा-लखेरी नदी से एक सोनालिका डीआई-35 ट्रैक्टर-ट्रॉली को अवैध खनन करते हुए पकड़ लिया। दोनों वाहनों को कोतवाली गरौठा लाकर एमवी एक्ट की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया। कार्रवाई करने वाली टीम में एसआई ज्ञानेंद्र पटेल, एसआई पुष्पेंद्र सिंह, एसआई रामचंद्र, कांस्टेबल अंकित अवस्थी एवं कांस्टेबल पुष्पेंद्र विजय शामिल रहे। गौरतलब है कि पुलिस द्वारा लगातार अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और अभी तक अवैध बालू

से भरे हुए 26 ट्रैक्टरों के विरुद्ध कार्यवाही की जा चुकी है इसके बावजूद भी खनन माफिया अवैध खनन से बाज नहीं आ रहे हैं।ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर अवैध खनन करने वालों के हौसले किसके संरक्षण से बुलंद हैं।

गुरु बिना ज्ञान नहीं, ज्ञान बिना आत्मबोध नहीं : शान्तनु शुक्ल

अमन लेखनी समाचार

राष्ट्रीय। आचार्य महामंडलेश्वर निरंजन पीठाधीश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरीजी महाराज के अंतरराष्ट्रीय प्रचार प्रसार प्रभारी श्री शांतनु शुक्ल के अनुसार भारतीय सनातन परंपरा में गुरु दीक्षा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन को नई दिशा देने वाला आध्यात्मिक संस्कार माना गया है।जब कोई साधक श्रद्धा, समर्पण और विश्वास के साथ गुरु के श्रीचरणों में बैठकर दीक्षा ग्रहण करता है, तभी उसके आध्यात्मिक जीवन की वास्तविक यात्रा प्रारंभ होती है।शास्त्रों में कहा गया है कि गुरु वह हैं जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश प्रदान करते हैं। दीक्षा का अर्थ केवल मंत्र प्राप्त करना नहीं, बल्कि अपने जीवन को संयम, साधना, सेवा और सदाचार के मार्ग पर अग्रसर करने का संकल्प लेना है।गुरु अपने शिष्य को केवल पूजा-पद्धति नहीं सिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला, आत्मअनुशासन और ईश्वर से जुड़ने का मार्ग भी बताते हैं।सनातन परंपरा में यह मान्यता है कि गुरु के सान्निध्य में प्राप्त मंत्र तभी फलदायी होता है जब शिष्य श्रद्धा, विश्वास और नियमित साधना के साथ उसका पालन करे। दीक्षा के बाद व्यक्ति के विचार, व्यवहार और जीवन-दृष्टि में सकारात्मक परिवर्तन आने लगता है। उसका मन अधिक शांत, संयमित और लोककल्याण की भावना से परिपूर्ण होता है। आज के भौतिकतावादी युग में, जब तनाव, असंतोष और मानसिक अशांति बढ़ रही है, तब गुरु दीक्षा का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। गुरु शिष्य को केवल आध्यात्मिक उन्नति ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों, परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का भी बोध कराते हैं। भारतीय संस्कृति में गुरु को भगवान से भी श्रेष्ठ स्थान दिया गया है, क्योंकि वही भगवान तक पहुँचने का मार्ग दिखाते हैं। कबीरदास जी ने कहा है– ₹गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूँ पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविन्द दियो बताय॥₹ गुरु दीक्षा व्यक्ति के जीवन में एक नए अध्याय का शुभारंभ है।यह केवल एक संस्कार नहीं, बल्कि आत्मपरिवर्तन, आत्मशुद्धि और आत्मोन्नति की यात्रा का प्रथम चरण है। जो व्यक्ति सच्चे मन से गुरु के मार्गदर्शन में साधना करता है, उसका जीवन स्वयं के साथ-साथ समाज के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन जाता है।

हरदोई में डबल मर्डर से दहला इलाका, पानी की टंकी के पास मिले दो युवकों के शव; मौके पर पहुंचे आईजी किरण एस., तीन टीमें जांच में जुटीं

अमन लेखनी समाचार

हरदोई।संडीला कोतवाली क्षेत्र के आटामऊ गांव में गुरुवार सुबह निमार्णाधीन पानी की टंकी से करीब 300 मीटर दूर दो युवकों के रक्तरंजित शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। अधबनी इमारत के पास पड़े दोनों शवों के सिर और चेहरे पर धारदार हथियार से कई वार किए गए थे, जिससे हत्या की वारदात बेहद नृशंस प्रतीत हो रही है। घटना की सूचना मिलते ही लखनऊ जोन के आईजी किरण एस. मौके पर पहुंचे। उनके साथ पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, अपर पुलिस अधीक्षक सुबोध गौतम, फोरेंसिक टीम तथा कई थानों की पुलिस ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया। आईजी ने अधिकारियों को शीघ्र खुलासे के निर्देश दिए। मृतकों की पहचान लखनऊ के फैजुल्लागंज निवासी अभिषेक उर्फ बबलू तथा कछौना थाना क्षेत्र के रैंसो गांव निवासी अरुण चौरसिया के रूप में हुई है। दोनों रिश्तेदार थे और आटामऊ में निमार्णाधीन पानी की टंकी पर कार्य कर रहे थे। अरुण पिकअप चालक था, जबकि अभिषेक लगभग एक सप्ताह पूर्व ही काम पर आया था।बुधवार सुबह दोनों अपने-अपने वाहन से निकले थे।घटनास्थल पर अरुण की पिकअप और अभिषेक की बाइक सड़क किनारे खड़ी मिली, जबकि कुछ दूरी पर दोनों के शव बरामद हुए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अभिषेक के विरुद्ध लखनऊ के हसनगंज थाने में लूट, आबकारी और गैंगस्टर सहित कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस पुरानी रंजिश, आपराधिक गतिविधियों, लेनदेन और अन्य सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। फोरेंसिक टीम ने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर घटना के खुलासे के लिए तीन विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं। आईजी किरण एस. ने भरोसा दिलाया कि पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

बभनी क्षेत्र लूट प्रकरण में फरार दो वांछित अभियुक्तों पर पुलिस अधीक्षक ने घोषित किया 25-25 हजार रुपए का पुरस्कार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। के थाना बभनी पर पंजीकृत मु0अ0सं0-158/2026, धारा 309(6), 317(2) बीएनएस से संबंधित लूट प्रकरण में फरार चल रहे दो वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा प्रत्येक अभियुक्त पर 25,000/- (पच्चीस हजार रुपये) का पुरस्कार घोषित किया गया है।उल्लेखनीय है कि उक्त प्रकरण में थाना बभनी पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए घटना का सफल अनावरण कर पूर्व में अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जा चुकी है।विवेचना के दौरान संकलित साक्ष्यों एवं उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निम्नलिखित अभियुक्तों की संलिप्तता प्रकाश में आई, जो घटना के बाद से लगातार फरार चल रहे हैं।

पुरस्कार घोषित वांछित अभियुक्तों का विवरण-

1. पंकज साह
पुत्र- पुरुषोत्तम दास
निवासी- धूरीताल पश्चिम, थाना बैढ़न, जनपद सिंगरौली (मध्य प्रदेश)।
घोषित पुरस्कार - 25,000/-

2. संजय साकेत
पुत्र- लालजी साकेत
निवासी- कनई, थाना बरगवां, जनपद सिंगरौली (मध्य प्रदेश)।
घोषित पुरस्कार - 25,000/-

जनसहयोग अपेक्षित-

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त वांछित अभियुक्तों के संबंध में कोई विश्वसनीय सूचना प्राप्त होती है, तो वह निकटतम पुलिस थाना अथवा जनपद सोनभद्र पुलिस को अवगत करा सकता है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णत गोपनीय रखी जाएगी।

आरटीआई में संतोषजनक सूचना न मिलने पर आयुष्मान योजना में अनियमितता की आशंका, दो अस्पतालों की जांच

उटड की मॉनिटरिंग पर प्रश्नचिन्ह, आयुष्मान योजना में अनियमितता की आशंका पर उएड से उच्च स्तरीय जांच की मांग

अमन लेखनी समाचार

बस्ती। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत कथित अनियमितताओं को लेकर जनपद बस्ती के निवासी सौरभ वी.पी. वर्मा ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी (उएड), आयुष्मान भारत योजना को शिकायत भेजकर दो निजी अस्पतालों की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है।शिकायत के अनुसार, शहर स्थित स्टार हॉस्पिटल, पचपेड़िया रोड तथा प्रकाश मेडिकल सेंटर, कैली रोड, जामडीह में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत किए गए उपचारों एवं क्लेम से संबंधित सूचनाएं सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत मांगी गई थीं शिकायतकर्ता का आरोप है कि दोनों अस्पतालों ने लगभग एक जैसी भाषा में यह कहते हुए सूचना देने से इनकार कर दिया कि मांगी गई जानकारी मरीजों की निजता से संबंधित है। शिकायतकर्ता का कहना है कि उन्होंने किसी मरीज की व्यक्तिगत चिकित्सकीय जानकारी नहीं, बल्कि योजना के तहत किए गए भुगतान, क्लेम एवं प्रशासनिक अभिलेखों से जुड़ी जानकारी मांगी थी।शिकायत में कहा गया है कि आरटीआई के माध्यम से अपेक्षित जानकारी उपलब्ध न होने और दोनों संस्थानों द्वारा समान प्रकृति का उत्तर दिए जाने से मामले में अनियमितताओं की आशंका उत्पन्न हुई है। इसी आधार पर पूरे प्रकरण की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।शिकायतकर्ता ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी से मांग किया है दोनों अस्पतालों में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत प्रस्तुत क्लेम, भुगतान अभिलेख, उपचार संबंधी रिकॉर्ड तथा अन्य संबंधित दस्तावेजों का परीक्षण कराया जाए।

सावन में बढ़ा खतरा: माधौगंज-मटियामऊ मार्ग पर सड़क किनारे गहरे गड्ढे, कांवड़ियों और राहगीरों की सुरक्षा पर मंडराया संकट

अमन लेखनी समाचार

माधौगंज (हरदोई)।लगातार हो रही बारिश के कारण माधौगंज-मटियामऊ मार्ग पर सड़क किनारे बने गहरे गड्ढे अब कांवड़ियों और राहगीरों के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं।स्थानीय लोगों ने समय रहते मरम्मत नहीं होने पर बड़े हादसे की आशंका जताई है। माधौगंज चौराहे से मटियामऊ जाने वाले मार्ग पर कोल्ड स्टोरेज के सामने सड़क की सफेद पट्टी के पास लगभग चार फीट गहरा गड्ढा बन गया है। झाड़ियों से ढका होने के कारण विशेषकर रात के समय यह दिखाई नहीं देता, जिससे दुर्घटना का खतरा कई गुना बढ़ गया है।रेलवे क्रॉसिंग, तपनौर पुलिया सहित मार्ग के कई स्थानों पर भी सड़क किनारे गहरे गड्ढे बने हुए हैं।सावन माह में इसी मार्ग से बड़ी संख्या में कांवड़िये गंगाजल लेने आते-जाते हैं।वहीं ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य भारी वाहनों के इन गड्ढों में फंसने की आशंका भी बनी हुई है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन के वायरल वीडियो पर विवाद, आपत्तिजनक टिप्पणी का आरोप

अमन लेखनी समाचार

हरदोई/सण्डीला।दिल्ली के जंतर-मंतर पर विद्यार्थियों के समर्थन में आयोजित प्रदर्शन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हरदोई जिले के कासिमपुर क्षेत्र में विवाद खड़ा हो गया है। मामले में क्षेत्र के एक युवक ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। बड़ागांव निवासी सक्षम शुक्ला ने क्षेत्राधिकारी सण्डीला को दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि मोहद्दीपुर निवासी अंकित गौतम तथा उनके एक साथी ने प्रदर्शन के दौरान सनातन धर्म, देवी-देवताओं, धर्मगुरुओं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संबंध में कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं।

2 अगस्त को कीर्ति नगर में रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

कुरुक्षेत्र। स्वर्गीय श्री मेहरचंद मेहंदीरत्ता जी की 37वीं पुण्यतिथि को परोपकार दिवस के रूप में मनाते हुए मेहर बुक डिपो द्वारा उनकी पावन स्मृति में 2 अगस्त 2026 (रविवार) प्रातः 10 बजे कीर्ति नगर, रेलवे अंडरपास के समीप, कुरुक्षेत्र में रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बी.एस. हार्ट केयर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के सहयोग से हृदय जांच, ईसीजी, ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल तथा अन्य आवश्यक रक्त जांच निःशुल्क की जाएंगी। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम अपनी सेवाएं प्रदान करेगी, जिसमें डॉ. पवन बंसल (हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉ. आलोक कुमार (ब्लड रोग विशेषज्ञ), डॉ. सुष्मि तिवारी (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ) तथा डॉ. प्रतीक अहलावत (हड्डी रोग विशेषज्ञ) शामिल रहेंगे। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करने तथा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचा सकता है। यह आयोजन स्व. मेहरचंद मेहंदीरत्ता चैरिटेबल डिस्पेंसरी एवं लाइब्रेरी ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। ट्रस्ट ने सभी सामाजिक संगठनों, युवाओं एवं नागरिकों से इस जनसेवा अभियान में भागीदारी निभाने का आग्रह किया है।

लोकतांत्रिक तरीके से शिवम बने हेड बॉय तो दुर्गा हेड गर्ल

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर (सोनभद्र) डीएवी पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी, रिहंदनगर में छात्र नेतृत्व को प्रोत्साहित करने एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास के उद्देश्य से हेड बॉय, हेड गर्ल, डिप्टी हेड बॉय एवं डिप्टी हेड गर्ल का चुनाव मतदान प्रक्रिया के माध्यम से संपन्न कराया गया; जिसमें कक्षा सातवीं से लेकर बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान की प्रक्रिया निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में प्राचार्य राजकुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका बखूबी निभाते हुए निष्पक्ष मतगणना कराकर विजय उम्मीदवारों की घोषणा की। चयनित हेड बॉय शिवम तिवारी, हेड गर्ल दुर्गा गुप्ता, डिप्टी हेड बॉय श्रेयांश पांडे, एवं डिप्टी हेड गर्ल दिव्या तिवारी, स्पोर्ट्स कैप्टन कुमार गौरव, कल्चरल कैप्टन कुमारी प्रीति को विद्यालय के प्रार्थना सभागार में आयोजित विशेष समारोह के दौरान प्राचार्य श्री राजकुमार ने सम्मानित किया। इसी के साथ दयानन्द सदन के कप्तान अनुराग दुबे एवं प्रीति राज, अरविंद सदन के कप्तान शॉर्य प्रताप सिंह एवं काजल, विवेकानंद सदन के कप्तान हर्षित श्रीवास्तव एवं एनी नाज एवं श्रद्धानंद सदन के कप्तान अर्पित कुमार एवं वंदना कुमारी को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य ने सभी निर्वाचित एवं चयनित छात्र प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए उनसे विद्यालय की गरिमा बनाए रखने, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा सेवा-भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का दिशा निर्देश दिया। उन्होंने चुनाव में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सहभागिता प्रत्येक छात्र के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण आधार है।

मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराधों के प्रति किया गया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों–जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य–पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया।इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर
112-आपातकालीन सेवा
1090 / 1091-महिला सुरक्षा हेल्पलाइन
181-महिला हेल्पलाइन
1930-साइबर अपराध हेल्पलाइन
1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

वकीलों की हड़ताल पर हाईकोर्ट का सख्त रुख, शाहाबाद बार एसोसिएशन अध्यक्ष समेत 22 अधिवक्ताओं को कारण बताओ नोटिस

15 दिन में जिला न्यायाधीश के माध्यम से मांगा गया स्पष्टीकरण, न्यायिक कार्य के बहिष्कार पर उठे सवाल

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई)।न्यायिक कार्य के बहिष्कार और हड़ताल के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सख्त रुख अपनाते हुए शाहाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष समेत 22 अधिवक्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अदालत ने सभी अधिवक्ताओं को 15 दिनों के भीतर जिला न्यायाधीश के माध्यम से अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मामला उस समय का है, जब शाहाबाद के तत्कालीन एसडीएम सुशील कुमार मिश्रा और महिला लेखपाल पूजा देवी वर्मा के बीच एसडीएम कार्यालय में विवाद हुआ था। इसके बाद महिला लेखपाल की ओर से एक अधिवक्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई। इसी घटनाक्रम के विरोध में शाहाबाद बार एसोसिएशन ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार करते हुए हड़ताल शुरू कर दी थी। बताया जाता है कि बार एसोसिएशन द्वारा जारी बहिष्कार नोटिस को तत्कालीन एसडीएम ने न्यायालय भेज दिया था।इसी आधार पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया।हाईकोर्ट ने अपने नोटिस में स्पष्ट किया है कि सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों के अनुसार अधिवक्ताओं द्वारा न्यायिक कार्य का बहिष्कार और हड़ताल करना विधि व्यवस्था एवं न्यायिक प्रक्रिया के विरुद्ध है। इसी आधार पर अध्यक्ष सहित 22 अधिवक्ताओं से निर्धारित अवधि के भीतर अपना पक्ष रखने को कहा गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता आशीष पांडे ने बताया कि उन्हें नोटिस प्राप्त हो चुका है और वे निर्धारित समय सीमा के भीतर जिला न्यायाधीश के समक्ष अपना जवाब प्रस्तुत करेंगे।

गुरु पूर्णिमा पर गुरु चरणों में नतमस्तक हुए श्रद्धालु, परमहंस आश्रम व विंध्यधाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

अमन लेखनी समाचार

मिजार्पुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर जनपद के मठों, मंदिरों और आश्रमों में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही श्रद्धालु गंगा स्नान कर दान-पुण्य करने के बाद अपने-अपने गुरुजनों के दर्शन और आशीर्वाद के लिए कतारों में खड़े रहे। जिले के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पूरे दिन भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती रही।सक्तेशगढ़ स्थित श्री परमहंस आश्रम में स्वामी अड़गड़ानंद महाराज के दर्शन के लिए देशभर से श्रद्धालु पहुंचे। भक्तों ने गुरु चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। आश्रम प्रशासन के अनुसार गुरु पूर्णिमा के अवसर पर लगभग चार लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन किया। श्रद्धालुओं का आगमन एक दिन पहले से ही शुरू हो गया था और आश्रम परिसर में बनाए गए आवासीय कमरों में बड़ी संख्या में परिवारों ने रात्रि विश्राम किया।रविवार सुबह से चुनार, मड़िहान, राजगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों से आश्रम जाने वाले मार्गों पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात समेत देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने गुरु का आशीर्वाद प्राप्त कर अपने जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की।वहीं विंध्यधाम के मंदिरों और अन्य आश्रमों में भी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने गुरु महिमा का गुणगान करते हुए गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह
समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह
समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।
मो. - 9838159555, 9935457982
E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

बरसात के दिनों में खान-पान में की गई जरा-सी लापरवाही आपके स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। इसलिए इस मौसम में अपनी डाइट में पौष्टिक, संतुलित और स्वच्छ खाद्य पदार्थों को शामिल करना बेहद जरूरी है।

रेनी सीजन के लिए कैसा हो डाइट प्लान

डाइट सजेशन
शिखर चंद जैन

मानसून या बरसात का मौसम गर्मी से राहत तो लाता है, लेकिन अपने साथ कई तरह की बीमारियों और स्वास्थ्य चुनौतियों भी लेकर आता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस मौसम में शरीर की जठराग्नि कमजोर हो जाती है, जिससे पाचन तंत्र संवेदनशील हो जाता है। इसलिए, डाइट को लेकर सजग रहना जरूरी है।

दिन की शुरुआत: विशेषज्ञों के अनुसार, बरसात के मौसम में सुबह की शुरुआत चाय या कॉफी के बजाय गुनगुने पानी, नीबू पानी या हर्बल काढ़े से करनी चाहिए। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, अदरक, तुलसी, काली मिर्च और दालचीनी से बना काढ़ा एंटी-माइक्रोबियल गुणों से भरपूर होता है। यह आपके श्वसन तंत्र को साफ रखता है और मौसमी फ्लू से बचाता है। अदरक में मौजूद 'जिंजरोल' नामक तत्व सूजन और संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

उबला पानी ही पिएं: बरसात के दिनों में सबसे ज्यादा बीमारियां दूषित पानी के कारण होती हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन के अनुसार, इस मौसम में पानी को कम से कम 10 मिनट तक उबालकर और ठंडा करके ही पीना चाहिए। उबलने से पानी में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। लोग अक्सर इस मौसम में प्यास कम लगने के कारण कम पानी पीते हैं, जिससे डिहाइड्रेशन हो सकता है। दिन में कम से कम 8-10 गिलास उबला हुआ पानी जरूर पिएं ताकि टॉक्सिंस बाहर निकल सकें।

सुपाच्य-गर्म नाश्ता: मानसून में सुबह का नाश्ता हल्का, सुपाच्य और ताजा होना चाहिए। शोध बताते हैं कि ठंडा या रखा हुआ खाना बैक्टीरिया के पनपने का मुख्य केंद्र होता है। अपने नाश्ते में दलिया, ओट्स, पोहा या सूजी का उपमा शामिल करें। इनमें फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो पेट को साफ रखता है। इसमें थोड़ा-सा हल्दी और राई का तड़का लगाएं, जो अपने एंटी-सेप्टिक गुणों के लिए जाने जाते हैं।

मौसमी फल: फलों का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन बरसात में फल चुनते समय सावधानी बरतनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, तरबूज या खरबूजा जैसे अत्यधिक पानी वाले फलों से इस मौसम में बचना चाहिए, क्योंकि ये जल्दी खराब होते हैं। इसके बजाय सेब, नाशपाती, अनार, पपीता और जामुन जैसे फलों को प्राथमिकता दें। जामुन में एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं और यह पाचन क्रिया को सुधारता है। ध्यान रहे कि फलों को काटने के तुरंत बाद खा लें, उन्हें लंबे समय तक काटकर खुला न छोड़ें।

मौसमी सब्जियां: आमतौर पर हरी पत्तेदार सब्जियों को सेहतमंद माना जाता है, लेकिन मानसून में इनमें कीड़े, लार्वा और फंगस लगने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। जर्नल ऑफ फूड प्रोटेक्शन के शोध बताते हैं कि इस मौसम में पत्तागोभी, पालक और ब्रोकली की परतों में छिपे बैक्टीरिया धोने के बाद भी पूरी तरह नहीं निकलते। इसकी जगह लौकी, तोरई, कद्दू, टिंडा और परवल जैसी बेल वाली सब्जियों का सेवन करें। ये सब्जियां हल्की होती हैं और पेट पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालतीं।

छाछ, दही और कांजी: पाचन तंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए आंतों के अच्छे बैक्टीरिया का स्वस्थ होना जरूरी है। न्यूट्रिशनिस्ट्स के अनुसार, दोपहर के भोजन में घर का जमा हुआ ताजा दही या जीरा-हींग युक्त छाछ शामिल करें। प्रोबायोटिक्स आंतों की परत को मजबूत करते हैं और संक्रमण फैलाने वाले बैक्टीरिया को पेट में टिकने नहीं देते।

एंटी-बैक्टीरियल मसाले: भारतीय रसोई में इस्तेमाल होने वाले मसाले प्राकृतिक दवा की तरह काम करते हैं। बरसात के दिनों में खाना बनाते समय हल्दी, जीरा, धनिया, मेथी दाना, हींग और लहसुन का प्रयोग थोड़ा बढ़ा दें। *

(डायटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. विनोद चवन

ऑक्सीजन को शरीर के समस्त अंगों तक फेफड़े ही पहुंचाते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप आपके जीवन का सफर आगे बढ़ता रहता है, किंतु शरीर का यह महत्वपूर्ण अंग जब कैंसरग्रस्त होता है, तब जीवन पर संकट के बादल छाने लगते हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अनुसार भारत में पुरुषों में अन्य अंगों की तुलना में फेफड़ों के कैंसर के सर्वाधिक मामले सामने आते हैं। लंग कैंसर दो प्रकार का होते हैं-

नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर: ये फेफड़ों के कैंसर का सबसे कॉमन प्रकार है। लंग्स कैंसर के ज्यादातर मामले एनएससीएलसी से संबंधित होते हैं।

स्मॉल सेल लंग कैंसर: नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर की तुलना में स्मॉल सेल लंग कैंसर (एससीएलसी) कहीं अधिक तेजी से बढ़ता है और इसका इलाज करना कठिन होता है।

लंग कैंसर के कारण

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में फेफड़ों के कैंसर के लगभग 80 प्रतिशत मामले विभिन्न रूपों में धूम्रपान के कारण सामने आते हैं। धूम्रपान के अतिरिक्त जो लोग धूम्रपान करने वाले लोगों के संपर्क में आते हैं, उनमें भी कालांतर में फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। धूम्रपान करने वाले लोगों के निकट रहने वाले को पैसिव स्मोकर कहा जाता है।

जेनेटिक गड़बड़ी: धूम्रपान से शरीर में ऐसे तमाम केमिकल्स फेफड़ों में जाते हैं, जो कालांतर में जींस में गड़बड़ी उत्पन्न करते हैं और यह स्थिति एक अर्से बाद कैंसर का जोखिम बढ़ा देती है। वहीं जिन लोगों के परिवार के सदस्यों में फेफड़ों का कैंसर अतीत में रहा हो, उनमें लंग कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है।

वायु प्रदूषण से बढ़े रिस्क: शहरों में सड़कों पर वाहनों का धुआं भी लोगों के फेफड़ों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। यह स्थिति कालांतर में फेफड़ों के कैंसर के खतरे को बढ़ा रही है। देश के अनेक महानगरों और छोटे शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडेक्स) दिनोंदिन खराब होता जा रहा है। जिस सूचकांक को 100 के अंदर होना चाहिए वह लगभग 200 के पार और अनेक बड़े शहरों में 400 के पार तक पहुंच जाता है।

स्पेशल: वर्ल्ड लंग कैंसर-डे, 1 अगस्त

जब फेफड़ों के किसी भाग या टिश्यूज में स्थित कोशिकाएं अनियंत्रित तरीके से बढ़ने लगती हैं, तब फेफड़ों के किसी भाग में गांठ (नोड्यूल) बनना शुरू हो जाती हैं, जो बाद में फेफड़े के कैंसर का कारण बनती है। इसके होने के कई कारण हैं। लेकिन समय पर पता लगने पर अब इसका ट्रीटमेंट संभव है। लंग कैंसर से जुड़ी उपयोगी जानकारी आपको यहां दे रहे हैं।

लाइलाज नहीं रहा लंग कैंसर

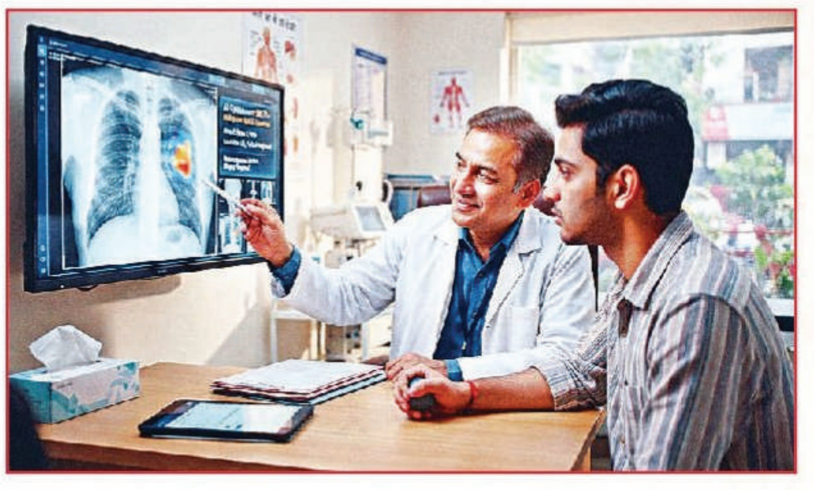

लंग कैंसर के प्रमुख लक्षण

- मामूली शारीरिक परिश्रम करने पर भी सांस फूलने लगती है या सांस लेने में दिक्कत होना।
- गहरी सांस लेते समय सीने में दर्द होना।
- लगातार बनी रहने वाली खांसी जो लगभग तीन से चार हफ्ते से जारी हो। खांसी की आमतौर पर ली जाने वाली दवाओं के सेवन के बाद भी इस समस्या का बढ़ते जाना।
- खांसने पर या बलगम में खून आना।
- किसी कारण के बिना वजन का कम होना।
- हमेशा लो एनर्जी फील करना, बेवजह बहुत थकान महसूस होना।
- निगलने में दिक्कत और आवाज बैठना।
- सीने में घरघराहट महसूस होना।

हालांकि उपरोक्त लक्षणों का होना इस बात का सूचक नहीं है कि आपको फेफड़े का कैंसर है। इनमें से कई लक्षण अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से भी संबंधित हो सकते हैं। बावजूद इसके यदि आपको इनमें से कोई लक्षण कुछ हफ्तों तक महसूस हों, तो आपको डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

कैंसर की अवस्थाएं

स्टेज 1: जब कैंसर की गांठ या नोड्यूल फेफड़े के किसी एक निश्चित भाग तक ही सीमित रहता हो।

स्टेज 2: जब कैंसर फेफड़े के अंदर लिंफ नोड्स तक फैल गया हो या फेफड़े के एक ही लोब में एक से अधिक गांठें हों।

स्टेज 3: कैंसर जब दूसरे फेफड़े में फैल चुका हो।

स्टेज 4: कैंसर जब फेफड़े और दिल के आस-पास के द्रव या अन्य अंगों तक फैल चुका हो। इस गंभीर स्थिति को मेटास्टेटिक लंग कैंसर कहते हैं। मेटास्टेटिक, कैंसर का ऐसा प्रकार है, जो एक फेफड़े में शुरू होता है लेकिन दूसरे फेफड़े या अन्य अंगों में फैल जाता है। फेफड़ों के ऐसे कैंसर का इलाज उस कैंसर की तुलना में कहीं ज्यादा जटिल होता है, जो अपने मूल स्थान से बाहर किसी दूसरे अंगों तक नहीं फैला होता है।

डायग्नोसिस के तरीके

इसके डायग्नोसिस के लिए पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट, सीने का एक्स-रे, एमआरआई, पैट सीटी स्कैन और सीटी स्कैन शामिल हैं। इसके अलावा ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, स्प्यूटम टेस्ट, बायोप्सी और ब्रॉन्कोस्कोपी आदि जांचें भी कराई जाती हैं।

इलाज के तरीके हैं कई

विशेषज्ञ डॉक्टर फेफड़े के कैंसर से ग्रस्त मरीज के उपचार की प्रक्रिया का निर्धारण उसके कैंसर की स्टेज, उसकी शारीरिक स्थिति और उम्र आदि बातों के मद्देनजर सुनिश्चित करते हैं। चिकित्सा विज्ञान में हुई चमत्कारिक प्रगति के कारण अब सर्जिकल प्रक्रिया अतीत की तुलना में मरीज के लिए कहीं ज्यादा लाभदायक हो चुकी है। यही बात कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी के संदर्भ में भी लागू होती है।

सर्जरी: इसके अंतर्गत फेफड़े के कैंसरग्रस्त भाग या प्रभावित टिश्यू को सर्जरी के जरिए निकाला जाता है। जब कैंसरग्रस्त भाग एक ही जगह पर हो और वह शरीर के अन्य भागों में नहीं फैला हो, तब सर्जरी की जाती है।

रेडिएशन थेरेपी: इसके अंतर्गत प्रोटॉन थेरेपी, लीनियर एक्सिलरेटर्स, 'गामा नाइफ' और 'साइबर नाइफ' आदि का इस्तेमाल किया जाता है। अब आधुनिक रेडिएशन थेरेपी के जरिए कैंसरग्रस्त भाग के आस-पास के स्वस्थ टिश्यूज को बचाते हुए कैंसरग्रस्त टिश्यूज तक रेडिएशन की सटीक डिलीवरी संभव है।

रोबोटिक सर्जरी: अब रोबोट की सहायता से मिनिमल इनवेसिव सर्जरी संभव है, जिससे मरीजों को बेहतर परिणाम मिल रहे हैं।

कीमोथेरेपी: मेडिकल साइंस में हुए शोध-अनुसंधानों के कारण कीमोथेरेपी में नई दवाएं शामिल हो चुकी हैं, जिनके कारण मरीज को अब कम 'साइड और आफ्टर इफेक्ट' सहने पड़ते हैं।

इम्यूनोथेरेपी: मानव शरीर में रोग प्रतिरोधक शक्ति होती है, जिसे इम्यूनिटी कहा जाता है। मेडिकल साइंस के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति में कैंसर से लड़ने की इम्यूनिटी होती है, जो शरीर में कैंसरस कोशिकाओं को खत्म कर देती है। इम्यूनोथेरेपी के लिए इंजेक्शन आते हैं, जिन्हें कैंसर विशेषज्ञ के परामर्श से लगाया जाता है। ऐसे इंजेक्शंस इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

फेफड़ों के कैंसर से संभव है बचाव

धूम्रपान से बचें: एक अध्ययन के अनुसार धूम्रपान छोड़ने से आपके फेफड़ों के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। अगर धूम्रपान छोड़ने में आपको दिक्कत हो रही है, तो अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

पैसिव स्मोकिंग से बचें: अगर आप धूम्रपान करने वाले लोगों के निकट संपर्क में रहते हैं तो ऐसी स्थिति में भी आप उनके द्वारा वातावरण में छोड़ी गई सांस ग्रहण कर सकते हैं, जिसे सेकेंड हैंड स्मोकिंग या पैसिव स्मोकिंग भी कहते हैं, जो अत्यंत नुकसानदेह है।

बचें वाहनों के धुएं से: वाहनों से निकलने वाले धुएं में कार्बन मोनोऑक्साइड पाया जाता है, जो फेफड़ों के लिए अत्यंत नुकसानदेह है। इसलिए वाहनों के प्रदूषण और अन्य प्रदूषित माहौल से बचने के लिए मास्क पहनें।

जरूरी है हेल्दी लाइफस्टाइल: हेल्दी लाइफस्टाइल से कैंसर के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके अंतर्गत संतुलित पौष्टिक खान-पान, व्यायाम और तनाव प्रबंधन आदि शामिल हैं। खान-पान में हरी सब्जियों, फलों और साबुत अनाजों को वरीयता दें। जंक और प्रोसेस्ड फूड्स से जहां तक संभव हो परहेज करें।

मोटापे से बचे रहें: मोटापा हृदय रोग और मधुमेह को ही नहीं, बल्कि कैंसर के जोखिम को भी बढ़ा देता है। मोटापे को दूर करने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करें और अपने खान-पान में नमक, चीनी और अत्यधिक चिकनाई युक्त खाद्य पदार्थ और उत्पादों का कम से कम सेवन करें। मोटापे के संदर्भ में 'बीएमआई' के बारे में अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

प्रिकॉशन
डॉ. एम. वली
सीनियर फिजीशियन
सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली

हाल में कुछ प्रदेशों में कोरोना संक्रमण के कुछ मामले सामने आए। इससे लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस मामले में बिना घबराए हुए कोरोना से बचाव के लिए सावधानी बरतना सबसे जरूरी है। इस बारे में और डिटेल में जानिए।

सामने आए हैं कोरोना के कुछ मामले रहें पूरी तरह सतर्क-बरतें सावधानी

हाल ही में आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और बिहार सहित कुछ राज्यों में आए कोविड-19 के नए मामलों की खबर सुर्खियों में रहीं। इनमें अधिकांश मरीजों में हल्के लक्षण पाए गए हैं, जबकि कुछ बुजुर्गों और पहले से गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। आंध्र प्रदेश में चार ऐसे मरीजों की मौत ने चिंता बढ़ा दी है।

डरें नहीं-सजग रहें: स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि कोरोना संक्रमित अधिकांश मरीजों में हल्के लक्षण पाए गए हैं। कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत की वजह केवल कोरोना संक्रमण नहीं, को-मॉबलिटी थीं। यानी ये मरीज पहले से ही डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, फेफड़ों की बीमारी, किडनी की बीमारी और दूसरी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। कमजोर इम्यूनिटी के कारण कोरोना की जंग में वे हार गए।

विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड अब पेंडेमिक नहीं, बल्कि एंडेमिक स्टेज में पहुंच गया है। कभी पूरी तरीके से खत्म नहीं होगा। हमें कोरोना के साथ जीना है। करोना जाएगा नहीं, कोरोना के साथ रहना है। हम अकसर कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना भूल जाते हैं, जिसकी वजह से कोरोना के मामले देखने को मिलते हैं। कोविड-19 अब इंफ्लूएंजा (फ्लू) जैसे श्वसन संक्रमणों की श्रेणी में शामिल होता जा रहा है, जो मौसम के अनुसार समय-समय पर बढ़ सकते हैं। जैसे हर साल मौसम बदलने पर सर्दी-जुकाम या फ्लू के मामले आते हैं। वैसे ही अब कोविड के भी छिटपुट मामले समय-समय पर सामने आते रहेंगे।

नए केसेस आने की वजह: साल 2020 से 2022 तक पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाला एसएआरएस-कॉव-2 वायरस म्यूटेशन के बाद समय-समय पर अपना स्वरूप बदलता रहता है। इसी कारण इसके नए वैरिएंट सामने आते रहते हैं। आंध्र प्रदेश में मिले अधिकांश संक्रमण ओमिक्रॉन परिवार से जुड़े हैं। इनकी आरएफ-5 ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट के रूप में पहचान हुई है। लेकिन इन्हें 2020-21 जैसी गंभीर महामारी का संकेत नहीं माना जा रहा है। अधिकांश संक्रमण हल्के हैं और अभी तक ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि आरएफ-5 ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट पहले के कोरोना वैरिएंट्स से अधिक घातक हैं। फिर भी, वायरस के लगातार बदलते स्वरूप को देखते हुए सतर्क रहना, लक्षण होने पर जांच कराना और विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले लोगों की सुरक्षा पर ध्यान देना जरूरी है।

किन्हें है रिस्क: सबसे ज्यादा खतरा उन लोगों को है, जो कमजोर इम्यूनिटी वाले यानी छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग हैं। या फिर जो पहले से डायबिटीज, हार्ट डिजीज, सीओपीडी जैसी फेफड़ों की पुरानी बीमारी, हाइपरटेंशन, किडनी की बीमारी या कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रसित हैं। इन लोगों में संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

कोरोना वैक्सीन कितनी प्रभावी: पहले कोरोना वैक्सीन लगवा चुके लोगों को आज भी संक्रमण होने की संभावना हो सकती है। चूंकि वायरस समय के साथ बदलता रहता है और वैक्सीन से बनी संक्रमण-रोधी इम्यूनिटी या एंटीबॉडी भी धीरे-धीरे कम हो सकती है। फिर भी अधिकांश मामलों में यह वैक्सीन कोरोना से बचाव का सुरक्षा कवच है। यह भले ही इंफेक्शन को पूरी तरीके से न रोक पाए, लेकिन यह गंभीर बीमारी, अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु के जोखिम से काफी हद तक बचाने में मदद करती है।

कैसे करें बचाव

- कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें।
- भीड़-भाड़ में दूसरों से दूरी बनाए रखें।
- भीड़-भाड़ वाली जगह जाना जरूरी हो, तो मास्क जरूर पहनें।
- हाथों की स्वच्छता का पूरा ध्यान रखें। समय-समय पर साबुन से हाथ धोएं या सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें।
- वैक्सीनेशन को नजरअंदाज बिल्कुल न करें। अगर आप हाई रिस्क कैटेगरी में आते हैं तो वैक्सीनेशन को लेकर अपने डॉक्टर से बात जरूर करें। या फिर अगर इंटरनेशनल ट्रैवल पर जा रहे हों, तब बूस्टर डोज जरूर लगवाएं।
- संतुलित आहार खाएं। मौसमी और ताजे फल ज्यादा खाएं।
- नियमित वॉक करें, एक्सरसाइज करें, डीप ब्रीदिंग करें, प्राणायाम करें।
- अगर बुखार, खांसी या सांस लेने में दिक्कत हो तो डॉक्टर से सलाह लें।

क्या हैं लक्षण: संक्रमित व्यक्ति को इंफ्लूएंजा के समान लक्षण हो रहे हैं जैसे- मांसपेशियों में दर्द, बदन दर्द, बुखार, खांसी आना, नाक बहना या कंजेशन होना, गला खराब होना, कमजोरी, थकान, स्वाद और गंध में बदलाव। ध्यान न देने पर निमोनिया भी हो सकता है।

कब जाएं डॉक्टर के पास: अगर बुखार तीन से पांच दिन तक बना रहे, लगातार खांसी, गले में खराश या सांस लेने में तकलीफ हो, ऑक्सीजन स्तर कम हो, सीने में दर्द या गंभीर कमजोरी महसूस हो, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। जल्दी पता चलने से न सिर्फ इलाज आसान होता है, बल्कि संक्रमित व्यक्ति अनजाने में दूसरों को संक्रमित करने से भी बचता है।

कैसे होता है उपचार: फिलहाल कोरोना के इस नए वैरिएंट के लिए कोई अलग या विशेष दवा उपलब्ध नहीं है। उपचार रोग की गंभीरता और मरीज के जोखिम के आधार पर किया जाता है। उपचार के दौरान जरूरी है कि संक्रमित व्यक्ति और उसके नजदीकी लोग कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें।

संक्रमित व्यक्ति को आइसोलेट किया जाता है। अधिकांश हल्के मामलों में मरीज के लक्षणों के अनुसार (सिंप्टोमैटिक) उपचार ही किया जाता है। यानी घर पर आराम करने, बुखार या दर्द (जैसे पैरासिटामोल), खांसी की दवा लेने, संतुलित-पोषक-सुपाच्य आहार लेने और पर्याप्त पानी पीने संबंधी सलाह दी जाती है। कोरोना का सेल्फ-लिमिटिंग नेचर (शरीर की प्रतिरक्षा के कारण स्वतः नियंत्रित होने वाला संक्रमण) होने के कारण अधिकांश मरीज 6-7 दिन में स्वस्थ हो जाते हैं। जबकि मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी या कमजोर प्रतिरक्षा वाले हाई रिस्क कैटेगरी के मरीजों को विशेष निगरानी और चिकित्सकीय उपचार की जरूरत पड़ सकती है। उन्हें आवश्यकता पड़ने पर विशेष एंटीवायरल दवाएं भी दी जाती हैं। समय पर शुरू किया गया उपचार बीमारी के गंभीर रूप लेने के जोखिम को कम कर सकता है। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

टूट रहीं संसदीय मर्यादाएं

भारी हंगामे और तीखी नोंकझोंक के बीच लोकसभा में एंटी पेपरलीक संशोधन बिल ध्वनि-मत से पारित करना पड़ा। इस बिल पर 45 सांसदों ने, 10 से ज्यादा घंटे की बहस के दौरान, अपनी बात रखी और संशोधन भी पेश किए, लेकिन बिल पर मत-विभाजन तक नहीं कराया गया। यह लोकतंत्र की सूक्ष्म एवं महत्वपूर्ण अनिवार्यता है। बिल ह्यहांह्न अथवा ह्यनाह्न के शोर में पारित नहीं कराया जाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य और विडंबना है कि आज भी यही संसदीय व्यवस्था है। उम्मीद थी कि संसद का मानसून सत्र हंगामाखेज होगा, क्योंकि पेपरलीक के अलावा, राम मंदिर में चंदा-चढ़ावा चोरी, ई-20 एथेनॉल विवाद, परिसीमन, दलबदल सरीखे मुद्दे जन-सरोकार, लोकतांत्रिक शुचिता और आम आदमी की आस्था से जुड़े थे। यह भी अपेक्षा की जा रही थी कि जन-सरोकार के इन मुद्दों पर संसद में सार्थक, संरचनात्मक चर्चा होगी, लेकिन पेपरलीक से जुड़े बिल पर ही हमारे सांसदों की क्षुद्र और विरोधाभासी राजनीति बेनकाब हो गई। इसमें सत्ता-पक्ष के सांसद भी दूध के धुले हुए नहीं हैं। ऐसे एक सांसद ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री दिवंगत जवाहर लाल नेहरू पर ऐसी अभद्र और अश्लील टिप्पणी की, जिसे हम नैतिक रूप से लिखने के भी पक्षधर नहीं हैं। यह न सिर्फ शर्मनाक है, बल्कि संसदीय आचरण और बहस को गर्त में ले जाने वाला भी है। दूसरी ओर, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने, साक्ष्य और प्रमाणित किए बिना ही, बोल दिया कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन और बर्बर लाठीचार्ज का आदेश गृहमंत्री अमित शाह ने दिया था। देश के ह्यतथाकथितह्न गृहमंत्री युवा, छात्र आंदोलन के बाद कांप रहे थे और वह डरे हुए हैं, लिहाजा सदन में मौजूद नहीं हैं। नेता प्रतिपक्ष को ऐसे आरोपों और शब्दों का प्रयोग करने की जरूरत ही क्या थी? यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन और प्रदर्शन के वक्त गोलीबारी और घातक लाठीचार्ज का अंतिम निर्णय गृहमंत्री या प्रधानमंत्री लेते हैं। ऐसी संसदीय अज्ञानता पर हम क्या टिप्पणी करें? ऐसे आदेश मौके पर मौजूद मजिस्ट्रेट (डीएम या एसडीएम) ही दे सकते हैं। आपात स्थितियों में पुलिस के डीसीपी या एसीपी को भी मजिस्ट्रेट की शक्तियां प्रदान की जाती हैं। अब यह कैसी संसदीय मयार्दा और विरोधाभास है कि विपक्ष मानता है कि आंदोलित युवाओं पर कीलदार लाठियों से हमले किए गए और पैलेट गन भी चलाई गई, लेकिन बिल पर बहस का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री दफ्तर में राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पैलेट गोलीबारी से साफ इंकार किया है। अलबत्ता आंसू गैस के गोले दागने को जरूर स्वीकार किया है। वस्तुस्थिति यह है कि एम्स की मेडिकल रपट में पैलेट गन की पुष्टि की गई है, लेकिन दिल्ली पुलिस जिस अस्पताल का उल्लेख कर रही है, उसकी रपट में पैलेट की पुष्टि नहीं की गई है। क्या चिकित्सा के पेशेवर अस्पताल की मयार्दा, नैतिकता और शुचिता भी विरोधाभासी हो गई है, लिहाजा मयार्दाएं खंडित हो रही हैं? एक और तथ्य गौरतलब है कि सीआरपीएफ के विशेष बल आरएएफ के डिप्टी कमांडेंट ने संसद मार्ग पुलिस स्टेशन की डायरी में पैलेट गन चलाने की घटना दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि आरएएफ के 12 जवानों के हाथ में पैलेट गन थी। सरकार का बयान भिन्न है, नेता प्रतिपक्ष के आरोप बेहद गंभीर हैं और दिल्ली पुलिस, सुरक्षा बलों के रिकॉर्ड सबसे अलग हकीकत बयां कर रहे हैं! क्या देश की इन व्यवस्थाओं के बीच भी मयार्दा, आचार-संहिता नहीं होनी चाहिए? बहरहाल लोकसभा में बहस हुई, बिल पारित हो गया, राज्यसभा में पारित होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी से कानून भी बन जाएगा, लेकिन कई अहम सवाल फिर भी बरकरार रहेंगे। मसलन-शिक्षा का बजट जीडीपी के 4 फीसदी से घटा कर 2.6 फीसदी क्यों किया गया? भारत में औसत शिक्षा 10 गुना महंगी क्यों हो गई है? सरकारी स्कूल में औसतन पढ़ाई का खर्च 2863 रुपए है, जबकि निजी स्कूल में वही खर्च 25,000 रुपए से अधिक क्यों है? कुछ सवाल हमने पिछले संपादकीय में भी उठाए थे। इनके जवाब कौन देगा? प्रधानमंत्री मोदी इस संशोधन बिल पर पूरी बहस के दौरान सदन में नहीं बैठे, लेकिन अब तो उन्हें ही देश को खुलासा करना पड़ेगा कि शिक्षा-व्यवस्था में इतने विरोधाभास क्यों हैं? यह एक सत्य है कि केवल परीक्षा प्रणाली में सुधार करने के लिए मात्र कानून बना देने से शिक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं हो जाएगा। पूरी शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए क्रांतिकारी कदम उठाने होंगे। तभी युवाओं का भविष्य उज्ज्वल हो पाएगा। युवा पीढ़ी देश का भविष्य है, अतः उसकी आवाज को सुना जाना चाहिए।